संविधानसभा सदस्य

निर्वाचन पर्यवेक्षण २०६४

भोजपुरी प्रतिवेदन

आम निर्वाचन पर्यवेक्षण समिति, नेपाल
GENERAL ELECTION OBSERVATION COMMITTEE, NEPAL (GEOC)

आमनिर्वाचन पर्यवेक्षण समिति, नेपाल

कार्यसमिति

श्री हिमालय शम्शेर ज.ब.राणा
अध्यक्ष
चुनाव पर्यवेक्षण प्रतिष्ठान (चुप) – अध्यक्ष

श्री कुसुम श्रेष्ठ,
सदस्य
नेपाल कानुन समाज – अध्यक्ष

श्री गोकुल पोखरेल
सदस्य
नेपाल प्रेस इन्स्टिच्युट – अध्यक्ष

श्री उदय नेपाली श्रेष्ठ
सदस्य
ICJ/Nepal – कार्यकारी सदस्य

श्री खगेन्द्रप्रसाद पौडेल
सदस्य
पूर्व कर्मचारी सेवा परिषद् – महासचिव

श्री तीर्थनारायण सुवेदी
सदस्य
नेपाल नागरिक मञ्च – महासचिव

श्री सुनीता रेग्मी
सदस्य
ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान – कोषाध्यक्ष

श्री कृष्णमान प्रधान
सदस्य सचिव
नेपाल कानून समाज – कार्यकारी प्रबन्धक

संविधानसभा सदस्य
निर्वाचन पर्यवेक्षण २०६४

भोजपुरी प्रतिवेदन

आम निर्वाचन पर्यवेक्षण समिति, नेपाल
GENERAL ELECTION OBSERVATION COMMITTEE, NEPAL (GEOC)

लेखक लोगन

- श्री शशीकुमार उपाध्याय
- श्री भेषनाथ सापकोटा
- श्री रवीन्द्रनाथ भट्टराई
- श्री विकास घिमिरे

अनुवादक

- श्री भउचप्रसाद यादव

मन्तब्य

नेपाली जनता बहुत चरण के संघर्ष, क्रान्ति आ २०६२/०६३ के ऐतिहासिक जनआन्दोलन के परिणाम के मोताविक सार्वभौमसत्ता आ राजकीय सत्ता नेपाली जनता के हाथ में पुगचुकल बा । जनता के मन में सार्वभौमसत्ता प्रत्याभूत करावे के ऐकेगो सर्वमान्य माध्यम संविधानसभा के चुनाव ही बा । नेपाल के राजनैतिक इतिहास में पहिले बार सम्पन्न भइल संविधानसभा सदस्य के चुनाव युगाान्तकारी महत्व राखले । ई जवन चीरप्रतिक्षित अवस्था अभी सबके सामने आइल बा ओकरा खातिर असंख्य पुर्खा लोग, ज्ञात-अज्ञात शहीद लोग आ जनआन्दोलन के योद्धा लोग के योगदान अविस्मरनीय जरुर रही । स्वतन्त्र, अखण्ड, सार्वभौमसत्ता, धर्मनिरपेक्ष,समावेशी चरित्र के संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्र के कार्यान्वयन करे के ई संविधानसभा के ऐतिहासिक जिम्मेंवारी देखल गइल बा । हमनी सब नेपाली अपने हाथ से आपने खातिर संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्र नेपाली जनता में निहित जरुर करेम । ई संविधान के स्वामित्व नेपाली जनता में निहित जरुर होएके चाही, सव नेपाली के मूर्तरुप देवे खातिर संविधानसभा के चुनाब के पर्यवेक्षण करेके महान अभिभारा के आमनिर्वाचन पर्यवेक्षण समिति, नेपाल एगो सुनहरा मौंका के रुप में स्वीकार कइलक आ पर्यवेक्षण करे के भी तय कइलक ।

नेपाल कानून समाज, इन्टरनेशनल कमिशन अफ जुरिष्ट/नेपाल, पूर्व कर्मचारी सेवा परिषद, चुनाव पर्यवेक्षण प्रतिष्ठान, नेपाल प्रेस इन्सिच्यूट, नेपाल नागरिक मंच आ ग्रामीन विकाश प्रतिष्ठान, जइसन सात गो प्रतिष्ठित बिभिन्न गैर सरकारी संस्था के संजाल से ३५ आदमी राष्ट्रिय, ३५आदमी जिला स्तरीय, ७० आदमी निर्वाचन क्षेत्र स्तरीय, ४० आदमी नगर स्तरीय आ ७०० आदमी गा.वि.स. स्तरीय पर्यवेक्षक से ३५ जिला के ७० गो निर्वाचन क्षेत्र के पर्यवेक्षण कके पर्यवेक्षण के निष्कर्ष आ सुझाव सहित ई अन्तिम प्रतिबेदन प्रकाशित करल गईल बा । ई प्रतिवेदन में नेपाल में संविधानसभा सदस्य के निर्वाचन के प्रयोजन खातिर नेपाल के अन्तरिम संविधान, २०६३ में भइल संवैधाननिक प्रावधान, निर्वाचन से सम्बन्धित आउरो ऐन, नियम कानून आ आचारसंहिता जइसन निर्वाचन सम्पन्न करे खातिर आवश्यक सामाग्री सब के छोट जानकारी भी प्रस्तुत् करल गइल बा ।

पच्छिेद-४ में पर्यवेक्षण करल गइल पैत्तीस गो जिला से प्राप्त भइल विविध विवरण प्रस्तुत् करल गइल बा, उहे परिच्छेद के अन्त में पर्यवेक्षण करल गइल जिला सब के निर्वाचन वातावरण के सारांश भी प्रस्तुत् करल गइल बा । समग्र में, संविधानसभा निर्वाचन के दिन शान्तिमय होला के बाबजुद्ध भी अगिल्का आमनिर्वाचन सब के तुलना में शान्ति सुरक्षा के स्थिति कमजोर, राजनैतिक हिंसा के संख्या में बढोत्तरी, आचारसंहिता उलंघन में तिव्रता आ अधिकांश निवार्चन क्षेत्र में कवनो एगो पार्टी विशेष के प्रभाव हाबि भईल यथार्थ सबके सामने बा । एइसन कुप्रबृति से सब सरोकारबाला के सचेत होनाई जरुरी देखल गइल बा ।

संविधानसभा सदस्य के निर्वाचन पर्यवेक्षण करे के ई हमनी के अभियान में ई समिति के सदस्य समिति श्री कृष्णामान प्रधान, कार्यक्रम संयोजक श्री विकाश घिमिरे, कार्यकारीणी समिति के सदस्य लोग आ सबतरह के पर्यवेक्षक लोग के विशेष धन्यवाद देवेके चाहतानी । ई प्रतिवेदन आ प्रारम्भिक प्रतिबेदन लेखन कार्य में प्रशंसनीय मेंहनत के साथ संलग्न उपप्राध्यापक द्वय श्री भेषनाथ सापकोटा,

श्री रविन्द्रनाथ भट्टराई, अधिवक्ता श्री शशी कुमार उपाध्याय, श्री विकाश घिमिरे, भाषा के सम्पादन काम में संलग्न उपप्राधापक श्री फानीन्द्र निरौला लगाायत कम्प्यूटर टाइम कके प्रतिवेदन डिजाइन करेवाला श्री राम मोहन साह के भी धन्यवाद ज्ञापन करतानी चौथका बार बिभिन्न तह के पर्यवेक्षक सहकरमी लोग के साथ काँध में काँध मिलाके निवार्चन के सब चरण में सहभागी भइला के क्षण हम हरदम समझते रहेम । उमेंर के हिसाव से अगिल्ला निर्वाचन में सकृय रुप में सहभागी होनाई शायद हमरा खातिर सम्भव नाहोई । हमनी के ई संजाल के निर्वाचन पर्यवेक्षक करेके अनुमति देके आवश्यक जानकारी समेत उपलब्ध कराके सहयोग करेवाला निवार्चन आयोग, गृहप्रशासन, जिला निर्वाचन अधिकृत, राजनैतिकदल, उम्मेदवार, पर्यवेक्षक,पत्रकार, नागरिक समाज लगायत समुच्चा लोग में अभारसहित धन्यवाद प्रकट करतानी ।

निर्वाचन पर्यवेक्षण के काम आ प्रतिबेदन प्रकाशन करे खातिर आर्थिक सहयोग करेवाला क्यानेडिन सहयोग नियोग, नर्वेजियन राजदुतावास आ डेनिस राजदुतावास के संस्थागत रुप में आमनिर्वाचण पर्यवेक्षण समिति (GEOC) नेपाल के तरफ से हार्दिक धन्यबाद देवेके चाहतानी । आमनिर्वाचन पर्यवेक्षण समिति (GEOC) के सचिवालय स्थापानार्थ सहयोग उपलब्ध कारावेवाला नेपाल कानून समाज के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता श्री कुसुम श्रेष्ठ जी प्रति बिशेष आभार प्रकट करतानी । ई कार्यक्रम के अधिकृत द्वय श्री सुजन लोप्चन, श्री सुभाष पौडेल, लेखा अधिकृत श्री गणेशमान प्रधान के भी धन्यवाद देतानी । ई सचिवालय के कर्मचारी श्री संजय श्रेष्ठ, श्री कविता शाह, श्री सरिता रिमाल आ श्री माया थापा के सहयोग प्रशंसनीय बा । नेपाली भाषा से भोजपुरी भाषा में अनुबाद करेबाला अनुबादक भउच प्रसाद यादव के दिलसे ही धन्यवाद देवेके चाहतानी । हमर ई सत्कार्य में परोक्ष आ अपरोक्ष रुप में मन बचन आ कर्म से सहयोग करेवाला आ शुभेच्छा राखेवाला सब स्वदेशी आ विदेशी महानुभावलोगमें हार्द्धिक कृतज्ञता प्रकट करतानी ।

२०६५ असार

हिमालय शमशेर जबरा
अध्यक्ष
आमनिर्वाचन पर्यवेक्षण समिति, नेपाल

कार्यकारी सारांश

आमनिर्वाचन पर्यवेक्षण समिति (जिओक): एगो संजाल

आम निवार्चन पर्यवेक्षण समिति, नेपाल (जियोक) सात बिभिन्न गैरसरकारी संस्था सब के संजाल जवना में नेपाल कानून समाज, इन्टरनेशनल कमिशन अफ जुरिष्ट/नेपाल, पूर्व कर्मचारी सेवा परिषद, चुनाव पर्यवक्षण प्रतिष्ठान, नेपाल प्रेश इन्सिच्यूट, नेपाल नागरिक मंच आ ग्रामीन विकाश प्रतिष्ठान संस्थागत सदस्य सब बा । ई संजाल २०४८, २०५१ आ २०५७ के पर्यवेक्षण करचुकल बा । २०६४ साल २८ गते के संविधानसभा सदस्य निर्वाचन पर्यवेक्षण कार्य मे स्वतन्त्र बुद्धिजिवी, प्राध्यापक, कानूनविद, समाजसेवी, पूर्वराजदूत, संयुक्तराष्ट्र संघीय संगठन सब के पूर्वप्रतिनिधि आ मानअधिकारवादी लोग के सहभागिता रहे ।

संजाल के उद्देश्य आ पर्यवेक्षण विवरण

संविधानसभा सदस्य निर्वाचन सवतन्त्र, निष्पक्ष, भयरहित आ धाँधलीरहित भइल बा आ ना ओकरा खातिर स्वतन्त्र प्रतिवेदन सार्वजनिक करेके उद्देश्य ही संजाल के मुख्य उद्देश्य ह । ई संजाल में ८ गो कार्यसमिति, ५ सदस्यीय सचिवालय, ३५ सदस्यीय जिला पर्यवेक्षण, ७० निर्वाचन क्षेत्र पर्यवेक्षण, ४० नगरस्तरीय पर्यवेक्षणक आ ७०० गाँव स्तर के पर्यवेक्षण कके जम्मा ८८० आदमी के संगठीत संस्था बा । प्रत्येक जिला में २०/२० गो गा.वि.स/नगर पर्यवेक्षक लोग के निर्वाचन क्षेत्र स्तर के २ गो पर्यवेक्षक अन्तर्गत रहे के व्यवस्था करल गइल रहे । केन्द्र में रहल ३५ गो राष्ट्रिय पर्यवेक्षक लोग के ३५ जिला में १/१ आदमी के दर से खटावल गइल रहे । ऐ तरे जियोक के संजाल के मंन्दिर शैली में परिचालन कके संस्थागत संगठन तयार करल गइल रहे ।

पर्यवेक्षक लोग के तालिम के व्यवस्था

जियोक के राष्ट्रिय आ जिला पर्यवेक्षक लोग खातिर केन्द्र में तालिम के व्यवस्था करल गईल रहे । तालिम मे निर्वाचन आयोग के विशेषज्ञ लोग, संबिधानबिद, निर्वाचन कानून के ज्ञाता आ राजनितिक शास्त्रके ज्ञाता लोग समावेश रहे । तालिम कार्यक्रम में संबिधानसभा सदस्य निर्वाचन पर्यवेक्षण निर्देशिका, २०६४ प्रशिक्षण सामग्री के रुपमे वितरण करल गईल रहे । जिला के स्थानीय पर्यवेक्षक, निर्वाचन क्षेत्र पर्यवेक्षक आ गा.बि.स./नगर पर्यवेक्षक लोग के जिला के सदरमुकाम में तालिम के व्यवस्था करल गईल रहे ।

प्रश्नावलीसे पर्यवेक्षण विवरण संकलन

पर्यवेक्षण कार्य के अभिलेख प्रश्नावली के रुप में प्रयोग कके जिला में भइल घटना सब के टिपोट कके तयार करल गइल रहे । अन्तर्वार्ता में निर्वाचन में बतावल गइल मोताविक के प्रश्नावली के प्रयोग करल गइल रहे । ९१० मतदाता से पुछेवाला प्रश्नावली, ९२० मतदान अधिकृत से पुछेवाला प्रश्नावली, ९३० मतदान के वाद राजनीतिक कार्यकर्ता लोग से पुछेवाला प्रश्नावली, ९४० मतगणना पर्यवेक्षक फाराम आ ५० निर्वाचन के सम्बन्ध में पर्यवेक्षकद्वारा भरेवाला प्रश्नावली ।

मतदाता के चेतनास्तर

पर्यवेक्षण करल गइल अधिकांश जिला सब में ६०५ मतदाता के के चेतना उच्चस्तर देखल गइल। कुछ जिला सब में २६५ मतदाता लोग के चेतना स्तर मध्यम प्रकार के देखल गइल। थोरके जिला सब में १२५ मतदाता लोग कें चेतना स्तर न्यून देखल गइल।

मतदाता के प्रतिबद्धता

पर्यवेक्षणद्वारा करल गइल ३५ गो जिला सब में से अधिकांश जिला सब में मतदाता लोग में निर्वाचन के प्रति प्रतिबद्धता उच्च देखल गइल। कुछ जिला में १४% मतदाता लोग के प्रतिबद्धता के स्तर मध्यम खाल के देखल गइल रहे।

मतदान केन्द्र के व्यवस्थापन

अधिकांश जिला में ६०% मतदान केन्द्र के उच्चस्तरीय व्यवस्थापन करल गइल रहे। २०% मतदान केन्द्र कें व्यवस्थापनप्रति मतदाता लोग के सिकाइत रहे। मतदान के खातिर दूर-दूर तक जायवाला बृद्ध, आपाङ्ग, अशक्त मतदाता लोग खातिर पहिल प्राथमिकता ना मिलल कहके ओ लोग के ओरहन रहे।

आचारसंहिता पालना

९२% स्थान पर आचारसंहिता के पालना नाभइल रहे। भित्ते लेखन, प्रवेशद्वार निर्माण, पार्टी के लोगे सहित के पोशाक, सवारी साधन के दुरुपयोग, तोकल गइल से जादा खर्च जइसन आचारसंहिता के उल्लंघन करल गइल रहे।

शान्ति सुरक्षा के स्थिति

संविधानसभा सदस्य के निर्वाचन में शान्ति सुरक्षा के स्थिति पार्टी लोग के समझदारी आ निर्वाचनप्रति के प्रतिबद्धता के कारण से स्थापित होचुकल रहे। सुरक्षाकर्मी के परिचालन के चलते तराई के संघर्षरत सशस्त्र समूह सब निष्क्रिय होचुकल रहे। आउरो जगह पर सुरक्षाकर्मी के उपस्थिति कें सांकेतिक आ मनोवैज्ञानिक असर परल रहे। बाकिर निर्वाचन के विपरित कबनो घटना घटी कहके अगाडि से ही घुम्ती टोली समेत के सुरक्षाकर्मी परिचालन करल गइल रहे।

राजनीतिक हिंसा के अवस्था

राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ता लोक के बीच बादविवाद, सामान्य झपड, हाथापाती, हतियार के प्रयोग आ मानव हत्या तक के घटना घटल रहे। मतदान के वक्सा बिगेके, मतदान बक्सा में पानी गिरावेके, बक्सा पर पथर फेकेके, साथेसाथ निर्वाचन स्थगन करे के काम भी ०.९९% स्थान सब पर भइल रहे। सब क्षेत्र में कवनो ना कवनो पार्टी के प्रभाव देखल गइला के वाद भी निर्वाचन सम्पन्न भइल रहे। मधेश में मधेशवादी पार्टी सब के प्रभावहावी रहे। माओवादी के प्रभाव रहल जिला सब में माओवादी के प्रभावहावी रहे। दोसरा पार्टी के कार्यकर्ता, प्रतिनिधि, पर्यवेक्षक आ उम्मेदवार लोग के प्रभाव हावी रहल दल के सामुने लाचार आ नतमस्तक देखाई देत रहे। नेकपा

माओवादी ई काम में सब से अगाडि देखल गइल रहे । संविधानसभा निर्वाचन के एजेण्ड माओवादी १२ वर्ष संघर्ष कके स्थापित कइलक, मतदाता लोग के स्थायी शान्ति, सुरक्षा के आवश्यकता, नेकपा माओवादी से परिवर्तनप्रति के आशा सब केहु के कइला के चलते ७३% जिला में चिर्वाचन में माओवादी के प्रभाव हावी आ धाधलीरहित चुनाव भइल रहे । मतदाता सम्बन्धी प्रश्नावली में २६० जना मतदान अधिकृत लोग जवाफ देले रहस । मतदान के वाद राजनीतिक कार्यकर्ता सम्बन्धी प्रश्नावली में ३१२० आदमी उत्तर देलेरहस । पर्यवेक्षक से प्राप्त विवरण सम्बन्धी प्रश्नावली में १०३४ आदमी उत्तर देले रहस । ऐ तरे कूल ११२७५ उत्तरदाता लोग से पर्यवेक्षण विवरण संकलन करल गइल रहे । प्रश्नावली से प्राप्त भइल विवरण के कोडिङ्ग कके एक्सेल कम्प्युटर विधि के माध्यम से तथ्यांक विश्लेषण करल गइल रहे । विश्लेषण करल गइल तथ्यांक के विभिन्न तालिका आ रेखाचित्र में प्रस्तुत् करल गइल रहे । स्थानीय पर्यवेक्षक से प्राप्त भइल विश्लेषणात्मक विवरण सब के फरक फरक जिला प्रतिवेदन के रुप में प्रस्तुत् करल गइल बा ।

मतदाता सम्बन्धी विवरण

मतदाता विवरण ४५१४ मतदाता लोग से बहु उत्तर प्रणाली के प्रयोग कके लिहल गइल रहे । सबसे अधिक उत्तर दाता कैलाली जिला में २४७ आदमी (५.५%) रहे आ सबसे कम ६१ आदमी (१.४%) सिरहा जिला में रहे । उतरदाता लोग के शहर आ गाँव में वर्गीकरण कइलापर ५.२% उत्तरदाता ग्रामीण बस्ती के आ १२.१% शहरी बस्ती के मतदाता लोग रहे । अधिकांश मतदाता लोग (९६.९%) मतदान के प्रक्रिया के सम्बन्ध के जानकारी बा कहके कहले रहस त कुछे (२.२%) मतदाता लोग जानकारी नइखे कहके बतइलेरहस । बहुत मतदाता लोग (४९.२३%) संविधानसभा सदस्य के निर्वाचन के बारे में जानकारी संचारमाध्यम से प्राप्त भइल कहके बतइलेरहस । पार्टी से जानकारी भइल कहके बताबेवाला लोग के संख्या भी (३५.८४%) उल्लेखनीय रहे ।

विगत के निर्वाचन आ अभि के निर्वाचन में फरक

मतदाता लोग से विगत के प्रतिनिधिसभा सदस्य के निर्वाचन, स्थानीय निर्वाचन आ संविधानसभा सदस्य के निर्वाचन के बीच में कवन - कवन फरक रहे कहके अन्तर्वार्ता लेवल गइल रहे । अधिकांश मतदाता लोग (४०.१६)% ई मतदान प्रक्रिया के फरक वा कहके बतइले रहे । ओकराबाद में मतपत्र पहिलेसे फरक वा कहके ३५.५५% लोग बतइले रहस । राजनीतिक पार्टी लोग के प्रचार के शैली भी पहिले से फरक बा कहके १३.१५% लोग बतइले रहे । मतदाता लोग के संविधानसभा सदस्य के निर्वाचन कवन - कवन प्रभाव पारी कहे प्रश्न पुछला पर ५७.४८% जनता के अधिकार सुरक्षित होई कहके बतइले रहस । ओकराबाद २८.५५% लोग राजनीतिक द्वन्द्व के अन्त्य होई कहके बतइले रहस । १०.४६% लोग ई निर्वाचन से देश के आर्थिक अवस्था मजबुत होई कहके बतइले रहस ।

निर्वाचन के निष्पक्षता

७५% मतदाता निर्वाचन निष्पक्ष होई कहके बतइले रहस् । ६.३३% मतदाता निर्वाचन निष्पक्ष ना होई कहके बतइलेरहस । आ १७.३२% मतदाता थाहे नइखे कहके बतइले रहस ।

निर्वाचन में डर, त्रास आ लोभलालच

९२.४९% मतदाता निर्वाचन में मतदाता लोग के कवनो किसिम के डरभय, लोभलालच, त्रास कुछो नइखे कहके बतइले रहस् आ ५.८९% मतदाता हमनी के राजनीति पार्टी के तरफ से डर, त्रास, लोभलालच आइल बा कहके बतइले रहस ।

निर्वाचन प्रति के प्रेरणा

मतदाता लोग से संविधानसभा सदस्य के चुनाव में भोट देवे खातिर कँहावा से प्रेरणा मिलल कहके पुछला पर संचार माध्यम कहेवाला लोग के संख्या ३४.५४% रहे । ओही तरे राजनीतिक कार्यकर्ता से कहेवाला लोग के संख्या २८.५७%, प्रचार प्रसार सामाग्री से कहेवाला के संख्या १९.९२%, परिवार से १३.१६%, गैर सरकारी संस्था से ४.२२%, आ थोरके लोग (०.४१%) ई बाहेक के माध्यम के नाम रखलन ।

मतदान अधिकृत सम्बन्धी विवरण

संविधानसभा सदस्य निर्वाचन में खटल गइल ३५ जिला के मतदान अधिकृत लोग से निर्वाचन के बारे में अन्तर्वार्ता लेवल गईल जवना में जम्मा २६०७ अधिकृत लोग समावेश रहे । सबसे बेसी अन्तर्वार्ता कैलाली जिला के मतदान अधिकृत ६.३% लेवल गइल रहे ओही तरे सबसे कम (०.५०%) मुगु के जिला मतदान अधिकृत से लेवल गइल रहे । अन्तर्वार्ता में से ८४% गाँव से आ १४.८% शहरी क्षेत्र से संकलन करल गइल रहे । मतदान अधिकृत से मतदान संचालन के अनुभव के बारे में पुछला पर ८६.४५% लोग सहज बतइलन आ २१.१४% लोग मतदाता सूची में नाम, उमेंर लगायत आउरो बात सब ना मिलला से असहज बतइलन । १९.१२% सुरक्षा के कमी बताके चुनाव असहज बतइलन । ओकरा बाद के क्रमशः मतदाता के मतदान प्रक्रिया बारे ज्ञान के अभाव बतावेवाला १३.०८%, आपसी विवाद बतावेवाला ११.७४%,प्रशिक्षित कर्मचारी के कमी बतावेवाला ७.०४%, स्वयं सेवक के असहयोग बतावेवाला ६.७१%, आ मसलन्द के कमी बतावेवाला के संख्या ४.६९% रहे । ७४.६४% मतदान अधिकृत निर्वाचन अच्छा भइल कहके बतइलन आ २२.१७% सन्तोषप्रद ना भइल कहलन, १.८४% अधिकृत विगत जइसन सामान्य भइल कहके वतइलन । पार्टी सब से अच्छा सहयोग भइल कहेवाला अधिकृत लोग के संख्या ६४.५६% रहे । मतदान सहज आ सरल होए खातिर निर्वाचन में खटल कर्मचारी लोग के नेतृत्व में राजनीति दल के स्वयं सेवक आ प्रतिनिधि नामावली में भइल कमी कमजोरी के बारे में छलफल कके समाधान के पहिचान करल गइल रहे । निर्वाचन कार्यालय से मतदनाता के नाम आ नम्बर पहिलही उपलब्ध करादेला से मतदान में सरलता आइलरहे । कमे लोग यानि ९.०८% लोग शान्तिसुरक्षा के व्यवस्था से सहयोग भइल कहके बतइलक । ५२.३३% मतदान अधिकृत पार्टी सबके ओर से आचारसंहिता के उल्लंघन भइल कहके बतइलक । १५.८२% अधिकृत आचारसंहिता के उल्लंघन उम्मेंदवार से आ ४.६७% अधिकृत पर्यवेक्षक लोग से आचारसंहिता उल्लंघन भइल कहके बतइलक ।

राजनीतिक कार्यकर्ता सम्बन्धी विवरण

३५ जिला के जम्मा ३१२० राजनीतिक कार्यकर्त्तासे अन्तर्वार्ता लेवल गइल रहे जवना में सबसे अधिक सुर्खेत जिला में ७.४% आ मुगु जिला में ०.४% यानि सबसे कम राजनीतिक कार्यकर्त्ता से

अन्तर्वार्ता लेवल गइल रहे। ९६.९८% कार्यकर्ता निर्वाचन प्रक्रिया बारे थाह बा कहलन आ १.१८% समग्र निर्वाचन प्रक्रिया के बारे में थाह ना वा कहलन । ८७.६२% कार्यकर्ता निर्वाचन स्वतन्त्र भइल आ ८.४९% कार्यकर्ता निर्वाचन स्वतन्त्र, निष्पक्ष ना भइल कहलन । ३९.७२% राजनीतिक कार्यकर्ता के विचार में प्रचार प्रसार के काम निर्वाचन आचारसंहिता के विपरित आ २२.९७% राजनीतिक कार्यकर्ता मतदाता के सूची तयार करेवाला काम अधुरा भइला से निर्वाचन निष्पक्ष ना भइल कहलन आ १६.४८% कार्यकर्ता असिमित खर्च के चलते चुनाव निष्पक्ष ना भईल, ३३.९९% उत्तरदाता लोग राजनीतिक दल ही धाँधली के जिम्मेवार वा कहलन आ २३.१२% कार्यकर्ता ई कहलन कि राजनीतिक दल के समर्थक आ उम्मेदवार धाँधली के जिम्मेवार बा कहलन। १५.८१% धाधली के कारण सरकार आ सुरक्षा निकाय के बतइलन । संविधानसभा सदस्य के निर्वाचन में भाग लेला पर राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ता लोग के आपन मन पसन्द बात सब उल्लेख करेखातिर जानकारी देवल गइल। शान्तिपूर्ण तरिका से निर्वाचन होनाई, उत्साहजनक, सोचल से जादा सहभागिता होनाई आ सर्वपक्षीय सहमती से आपसी समझदारी कायम होनाई ई निर्वाचन के अच्छा पक्ष सब ह । आम निर्वाचन पर्यवेक्षण समिति, नेपाल परिचालित भईल पर्यवेक्षक लोग १०३४ गो प्रश्नावली भरके विवरण पठईले रहे। जिलागत विवरण के मुताविक गाँवसे ८६.८% विवरण प्राप्त भईल ।

मतदानकेन्द्र के पायक अपायक के स्थिति

मतदान केन्द्र पायक चाहे अपायक कइसन जगह पर बा ओकरा बारे में भी जानकारी लेबे खातिर पर्यवेक्षक लोग के कहलगइल रहे जवना में से ९२% मतदान केन्द्र पायक जगह पर आ ६% अपायक जगह पर राखलगइल रहे कहके बतावल गइल। मतदान केन्द्र के व्यवस्थापन के खातिर सुरक्षा व्यवस्था, तारबार आ दिवार लगावल के सम्बन्ध में पर्यवेक्षक लोगसे जानकारी लेवल गइल जवना में से ८३% मतदान केन्द्र सुरक्षाव्यवस्था सुरक्षाकर्मी के द्वारा आ १५% मतदान केन्द्र में तारबार, दिवार लगायत के व्यवस्था करल गइल रहे । ९४% मतदाता लाइन लागके मतदान कइलन । निर्वाचन स्थल के भितर निर्वाचन करेवाला कोठरी में निर्वाचन अधिकृत, सहायक अधिकृत आ स्वयंसेवक खातिर टेबुल, कुर्सी, भोट गिरावे खातिर अलग कोठरी, मतपेटिका राखेके व्यवसथा यानि सब व्यवस्था रहे कहके ९४.५% पर्यवेक्षक लोग बतइलन। मतदान केन्द्र के २०० मीटर चारोओरी निर्वाचन आचारसंहिता के पालना ना भइल रहे कहके ८३.४६% पर्यवेक्षक लोग बतइलन, लगभग ३०% पर्यवेक्षक ई बतइलन कि निर्वाचन स्थल वा सुरक्षाकर्मी के व्यवस्था रहे आ लगभग २४% पर्यवेक्षक बतइलन कि सामान्य रहे, ओही तरे १% पर्यवेक्षक बतइलन कि अच्छा रहे। ८६% पर्यवेक्षक लोग के कहनाम रहे कि मतदान केन्द्र पर मतदाता लोग के जायआवे खातिर सुरक्षा प्रबन्ध अच्छा रहे आ १३% अइलन कि अच्छा ना रहे। ९२.६२% पर्यवेक्षक के निर्वाचन स्थल पुगे खातिर कवनो कठिनाई ना भइल,२% के रोक लगावल गइल आ ३.२९% के बाद में प्रवेशाज्ञा मिलल कहके बतावल गइल। ९७.१०% केन्द्र सबेरे ७:०० बजेसे खुलगइल आ १३ (१.२६%) मतदान केन्द्र ८:०० बजे से खुलल कहके बतावल गइल।

मतदान प्रक्रिया के विवरण

८५% भोट शुरु होएसे पहिले आ बाद में मतदान बाकस के अवलोकन कइलन ९% ना कइलन आ ६% पर्यवेक्षक कवनो जवाबे ना देहलन । मतपेटिका में लगावल गइल सुरक्षा सिल के अवलोकन आ सिल नम्बर देवेके बारे में भी पर्यवेक्षक लोग जानकारी लेलन जवना में ८७.०४% अवलोकन आ सिल नम्बर प्रदान कइल गइल बतइलन आ ८.३२% अवलोकन ना करे सकलन । ओही तरे ४.६४% पर्यवेक्षक कुछो ना बतइलन । कुछ मतदाता लोग मतदाता सूची में नाम ना भइला से फिर्ता चल अइलन । कुछ अपाङ्ग आ अशक्त लोग प्राथमिकता के साथ मतदान में भाग लेलन आ कुछ लोग के प्राथमिकता ना मिले सकल । अधिकांश मतदाता (९५.८४%) मतपत्र देते अंगुरी में मसी लगावे के बतइलन । ९७% उत्तरदाता मतपत्र में मतदान अधिकृत के सही भइल बतइलन आ २.९०% उत्तरदाता कुछियो ना बतइलन । ९८% मतदाता भोट देवे खातिर गोप्य वातावरण रहे आ २.५१% मतदाता नारहे कहके बतइलन । ओही तरे २.७% कुछियो ना उल्लेख कइलन । मतदान कोठरी के त भितर अनाधिकृत व्यक्तिसमूह के उपस्थिति ना रहे कहेवाला पर्यवेक्षक के संख्या ९३.२३% रहे आ रहे कहेवाला के संख्या २.६% रहे । मतदाता सूची में नाम ना भइल के बाद भी भोट देवेवाला लोग के संख्या ८.८% रहे । कुछ मतदाता लोग मतदान प्रक्रिया में लाइन में लगलन, मतदाता सूचि में नामभी मिलगइल, मतपत्र भी बुझलेलन वाकिर मतदान केन्द्र में छाप दोसर आदमी लगइलक ।

एक आदमी के नाम में दोसर आदमी के (प्रोक्सी) मत

जम्मा १०३४ गो उतरदाता में से २२४ यानि (२१.६६%) उत्तरदाता के नाम पर दोसरे आदमी भोट गिरइलक । लगभग ५२ आदमी (५%) ई बतइलन कि चुनाव प्रक्रिया कवनो ना कवनो असहज परिस्थिति के चलते अवरुद्ध भइल । लगभग ५% मतदाता साँझ के ५.०० बजे वाद भी भोट देवे खातिर लाइन में खडे रहे । बक्सा के सिलवन्दी करेके समय अवलोकन करावल गइल बाकिर सिल नम्बर उपलब्ध ना करावल गइल कहके ८६% उत्तरदाता बतइलन ।

विषयसूची

परिच्छेद १ सञ्जाल के संरचना आ कार्यक्रम

१.१	परिचय	१
१.२	सञ्जाल के उद्देश्य	२
१.३	सञ्जाल के संगठीक स्वरूप	२
१.४	सञ्जाल के दायित्व	२
१.५	सञ्जाल के सचिवालय	३
१.६	सञ्जाल के कार्यक्रम सब	३

परिच्छेद २ पर्यवेक्षण विधि

२.१	पर्यवेक्षण के आवश्यकता आ महत्व	५
२.२	पर्यवेक्षक के विवरण आ कार्यक्षेत्र	५
२.३	पर्यवेक्षण प्रतिवेदन तयारी पद्धति	६

परिच्छेद ३ संविधानसभा के बारे में कानुनी समीक्षा

३.१	संविधानसभा के विकासक्रम	७
३.२	संविधानसभा के पृष्ठभूमि	७
३.३	नेपाल के अन्तरिम संविधान, २०६३	८
३.४	संविधानसभा सदस्य निर्वाचन ऐन, २०६४	८
३.५	संविधानसभा सदस्य निर्वाचन नियमावली, २०६४	८
३.६	निर्वाचन (कसुर आ सजाय) ऐन, २०६३	८
३.७	निर्वाचन आयोग ऐन, २०६३	८
३.८	मतदाता नामावली सम्बन्धी ऐन, २०६३	९
३.९	मतदाता नामावली सम्बन्धी नियमावली, २०६३	९
३.१०	राजनीतिक दल दर्ता (निर्वाचन प्रयोजन) नियमावली, २०६३	९
३.११	संविधानसभा सदस्य निर्वाचन आचारसंहिता, २०६४	९
३.१२	संविधानसभा अदालत ऐन, २०६४	१०

परिच्छेद ४ जिला पर्यवेक्षण प्रतिवेदन

४.१	झापा	११
४.२	मोरङ	११
४.३	सुनसरी	१२
४.४	धनकुटा	१२
४.५	उदयपुर	१२
४.६	संखुवासभा	१३
४.७	सप्तरी	१३
४.८	सिराहा	१४

४.९ धनुषा १४
४.१० दोलखा १४
४.११ चितवन १५
४.१२ मकवानपुर १५
४.१३ ललितपुर १६
४.१४ काभ्रे १६
४.१५ धादिङ १६
४.१६ सिन्धुपाल्चोक १७
४.१७ नुवाकोट १७
४.१८ तनहुँ १७
४.१९ गोरखा १८
४.२० स्याङ्जा १८
४.२१ कास्की १८
४.२२ नवलपरासी १९
४.२३ रुपन्देही १९
४.२४ पाल्पा १९
४.२५ अर्घाखाँची २०
४.२६ बाग्लुङ २०
४.२७ दाङ २०
४.२८ बाँके २१
४.२९ सुर्खेत २१
४.३० जुम्ला २१
४.३१ मुगु २२
४.३२ कैलाली २२
४.३३ बझाङ २२
४.३४ कञ्चनपुर २३
४.३५ डडेलधुरा २३
पर्यवेक्षण जिला सब में निर्वाचन वातावरण सरांश तालिका २४

परिच्छेद ५ निष्कर्ष आ सुझाव
५.१ निष्कर्ष २९
५.२ सुझाव ३०
५.२.१ राजनीतिक दल, उम्मेंदवार ३०
५.२.२ निर्वाचन आयोग ३१
५.२.३ राज्य ३२
५.२.४ नागरिक समाज ३२
५.२.५ सञ्चार जगत ३२
५.२.६ पर्यवेक्षण संस्था आ पर्यवेक्षक ३३

सञ्जाल के संरचना आ कार्यक्रम

१.१ परिचय

नेपाल में सम्पन्न होखेवाला निर्वाचन सब के स्वतन्त्र, निष्पक्ष, धाधलीरहित वातावरण में सम्पन्न करे खातिर सहयोग पुगावेके उद्देश्य रखइत आ ओ मोताविक भइल नाभइल के पर्यवेक्षण करे के उद्देश्य से गठित आमनिर्वाचन पर्यवेक्षण समिति, नेपाल (General Election Oservatin Comittee Nepal, GEOC) लगायत नेपाल में सक्रिय रहल आउर विभिन्न गैरसरकारी संस्था के संजाल ह । ई संजाल में नेपाल कानून समाज, इन्टरनेशनल कमिशन अफ जुरिष्ट । नेपाल, पूर्व कर्मचारी सेवा परिषद्, चुनाव पर्यवेक्षण प्रतिष्ठान, नेपाल प्रेस इन्स्च्युट, नेपाल नागरिक मंच आ ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान जइसन संस्था सब सदस्य के रुप में कार्यरत बा । ई संन्जाल आ ऐकर सदस्य संस्था सब वि.सं. २०४७ साल के बाद प्रतिनिधिसभा सदस्य के निर्वाचन २०४८, २०५१ आ २०५६ के साथेसाथ स्थानीय निकाय निर्वाचन २०४९ आ २०५४ के भी राष्ट्रिय, जिला आ सथानीय स्तर पर पर्यवेक्षण कके सम्बन्धित निकाय सब के सुझाव सहित प्रतिवेदन सार्वजनिक करचुकल बा । संविधानसभा सदस्य के निर्वाचन के खातिर आवश्यक कानून बनावे के क्रम में GEOC में विगत के निर्वाचन पर्यवेक्षण प्रतिवेदन में उल्लेख करल गइल सुझावसब के समावेश करल गइल बा । ई संस्था से होखेवाला पर्यवेक्षण में स्वतन्त्र बुद्धिजीवी, प्रधानाध्यापक, कानूनविद्, समाजसेवी, पूर्व राजदूत, संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व प्रतिनिधि लोग, मानव अधिकारवादी लोग संलगन होते आरहल बा आ भविष्य में भी संलग्न होते रही ।

१.२ संजाल के उद्देश्य

नेपाल के निर्वाचन आयोगद्वारा संचालन करल गइल संविधानसभा सदस्य के निर्वाचन स्वतन्त्र, निष्पक्ष, भयरहित, धाँधली रहित भइल बा कि ना ओकरा बारे में स्वतन्त्र प्रतिवेदन सार्वजनिक करे कही इं संजाल के प्रमुख काम ह । ई संजाल निर्वाचन आयोगद्वारा सार्वजनिक करल गइल निर्वाचन के कार्यक्रम के मोताविक निर्वाचन के विभिन्न चरण सब (मतदाता के नाम दर्ता, मतदान, मतगणना आ परिणाम घोषणा) के घटना सब के पर्यवेक्षण कके प्रतिवेदन सार्वजनिक करेला ।

१.३ संजाल के संगठीत स्वरुप

ई संजाल के संगठित स्वरुप तहगत रुप में देखल जाए त पाँच तह के बा । एकेरा मातहत में ५ सदस्यीय सचिवालय, आ ३५ गो राष्ट्रिय पर्यवेक्षक लोग के राष्ट्रिय परिषद् बनावल गइल बा । ३५ गो जिला पर्यवेक्षक लोग, ७० गो निर्वाचन क्षेत्र पर्यवेक्षक लोग, ४० गो नगरपालिका स्तरीय पर्यवेक्षक लोग आ ७०० गाँव स्तरीय पर्यवेक्षक लोग सहित ८८ पर्यवेक्षक लोग सहित के ई संस्था के संरचना निर्माण करल गइल बा । राष्ट्रिय आ जिला पर्यवेक्षक लोग के नामावली अनुसूची १ में देवल गइल बा ।

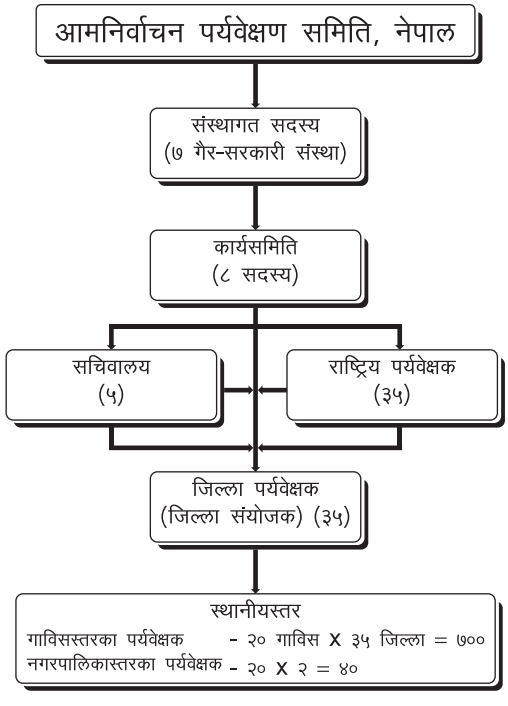

१.४ संजाल के दायित्व

संविधानसभा निर्वाचन, २०६४ के सफल बनावे खातिर जियोक आपन चुनाव पर्यवेक्षण स्वतन्त्र, निष्पक्ष, तटस्थ पर्यवेक्षक लोगसे करावे के दायित्व लेले बा । जियोक आपन दायित्व पूरा करे के क्रम में पर्यवेक्षण के खातिर आवश्यक पुगावेला एगो सचिवालय के स्थापना कके काम करते आरहल बा । ई संजाल संविधानसभा निर्वाचन पर्यवेक्षण खातिर राष्ट्रिय, जिला, निर्वाचन, क्षेत्र, गाँव आ

नगरस्तरीय पर्यवेक्षक कइला के बाद आपन गतिविधि आ प्रतिवेदन सब निर्वाचन आयोग लगायत राजनीतिक पार्टी आ आउरो सम्बन्धित निकाय सब में बुझावेके आ सार्वजनिक करे के काम करचुकल बा। ऐतने ना ई संजाल अपन सब गतिविधि निष्पक्ष, स्वतन्त्र आ पारदर्शी ढंग से सम्पन्न करे के भी मुख्य जिम्मेंवारी बहन करते आ रहल बा। येही क्रम में संविधानसभा सदस्य निर्वाचन से पहिले आ वादमें प्रारम्भिक कार्यक्रम आ आर्थिक प्रतिवेदन पत्राकार सम्मेंलन कके सार्वजनिक करचुकल बा। प्रस्तुत् अन्तिम प्रतिवेदन अभी सार्वजनिक करल गइल बा।

१.५ संजाल के सचिवालय

निर्वाचन पर्यवेक्षण काम के खातिर दैनिक कार्य संचालन के लेल आ आउरो आवश्यक सहयोग करे खातिर जियोक के केन्द्रीय सचिवालय नेपाल कानून समाज, अनामनगर, काठमाडौ में बा। पर्यवेक्षण काम के सहयोग पुगावे खातिर आ सहज बनावे के उद्देश्य से आवश्यक जनशक्ति के व्यवस्थापन करे के साथेसाथ ३५ गो राष्ट्रिय पर्यवेक्षक लोग एगो परिषद् बनावल गइल बा। प्रत्येक सदस्य संस्था सब के प्रतिनिधित्व करवइत श्री हिमालय शम्शेर ज.ब.रा. के. अध्यक्षता में कार्य समिति गठन करल गइल बा।

१.६ संजाल के कार्यक्रम सब

क. निर्वाचन पर्यवेक्षण के तयारी चरण

अ. निर्वाचन पर्यवेक्षण के व्यवस्थित करे खातिर केन्द्रीय सचिवालय के स्थापना आ आवश्यक जनशक्ति के व्यवस्था करल गइल रहे।

आ. पर्यवेक्षक लोग के संजाल निर्माण खातिर राष्ट्रिय स्तर के ३५ आदमी आ जिला स्तर के ३५ आदमी पर्यवेक्ष के व्यवस्था कके अभिमुखी गोष्ठी सम्पन्न करल गइल।

इ. हरेक जिला में जिला के प्रतिनिधित्व करावे खातिर २० गो गा.वि.स. के चयन करइत प्रत्येक गा.वि.स. स्तर में एक आदमी पर्यवेक्षक के प्रत्येक जिला में रहल नगरपालिका में २ गो पर्यवेक्षक के व्यवस्था करल गइल रहे।

ई. पर्यवेक्षण के प्रभावकारी आ सहज बनावे खातिर समय-समय मे सचिवलाय से जिला सब के अनुगमन भी करल गइल।

उ. निर्वाचन आयोग से पर्यवेक्षण करे खातिर अनुमति मिलल संजाल सबके समन्वयक के विषयवस्तु आ अनुभव के जानकारी आदानप्रदान करल गइल।

ऊ. राष्ट्रिय आ जिला स्तर के पर्यवेक्षक लोग के प्रशिक्षक के रुप में काम करे खातिर केन्द्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजना करइत संविधासनभा सदस्य निर्वाचन पर्यवेक्षण निर्देशिका २०६४ तयार कके सब तह के पर्यवेक्षक सब के देवल गइल।

ऋ. राजनीतिक पार्टी, नागरिक समाज आ सरकार के साथ समय समय में अन्तरक्रिया करइत निर्वाचन आयोग से निरन्तर सम्पर्क में रहेवाला काम करल गइल।

ए. राष्ट्रिय आ जिला पर्यवेक्ष के मार्फत स्थानीय स्तर के पर्यवेक्षक लोक के सम्बन्धित जिला मे प्रशिक्षण देवल गइल ।

ख. निर्वाचन पर्यवेक्षण

अ. जियोक के संजाल राष्ट्रिय, जिला, निर्वाचन क्षेत्र, गाँव आ नगर पर्यवेक्षक लोग के तोकल गइल फारम के माताविक तोकल गइल जिला, गाँव आ नगर निर्वाचन पर्यवेक्षण काम सम्पन्न भइल ।

आ. निर्वाचन के दिन स्थानीय स्तर के पर्यवेक्षक लोगद्वारा पर्यवेक्षण करल गइल काम के आउरो प्रभावकारी बनावे खातिर राष्ट्रिय आ जिला स्तर के पर्यवेक्षक लोग से निरीक्षण करावल गइल ।

ग. निर्वाचन प्रतिवेदन

अ. निर्वाचन आयोगद्वारा निर्वाचन सम्पन्न कइला के बाद मतगणना के पर्यवेक्षण भइल ।

आ. मतदान आ मतगणना के बन्द पर्यवेक्षण के वाद समुच्चा पर्यवेक्षक लोग के फारम संकलन कके तथ्यांक के विश्लेषण करेवाला काम सम्पन्न भइल जेकर विवरण ईहे प्रतिवेदन में समावेश करल गइल बा ।

इ. निर्वाचन सम्पन्न के १५ दिन के वाद संक्षिप्त प्रतिवेदन सम्बन्धित निकाय में बुझावल र सार्वजनिक करल गइल ।

ई. ई अन्तिम प्रतिवेदन विशेषज्ञ लोग के टोली से तयार करवाके गहन अध्ययन कइला के वाद के बाद प्राप्त भइल सुझाव के आधार पर तयार करल गइल बा । ई प्रतिवेदन निर्वाचन आयोग, नेपाल सरकार, नागरिक समाज वा राजनीतिक पार्टी लोग के देवल गाईदा । ■

पर्यवेक्षण विधि

२.१ पर्यवेक्षण के आवश्यकता आ महत्व

संसार के आउरो देश सब के अनुभव आ विगत के अपने देश के अनुभव के फिर के देखल जाए त ई संजाल (जियोक) २०५७ साल में सम्पन्न आम निर्वाचन समेंत के पर्यवेक्षण पश्चात् सार्वजनिक करल गइल प्रतिवदेन सब से विगत में भइल धाँधली, त्रुटि आ चुनौती सब के हटावे खातिर आ स्वच्छ, निष्पक्ष, भयरहित वातावरण में चुनाव सम्पन्न करावे खातिर संवैधानिक व्यवस्था आ कानून में समसामयिक सुधार के खातिर देवल गइल सुझाव सब के कार्यान्वयन हो चुकल बा। समाज गतिशील बा, नया नया प्रवृति आ विकृति सब चुनाव में देखल जा रहल बा, देश में ओकर आगमन होरहल बा। अतः ओही से निर्वाचन फोहर बनानेवाला प्रवृत्ति से जनम भइल कमीकमजोरी सब, गलत विकृति के हतोत्साह करे खातिर आ स्वच्छ, निष्पक्ष आ भयरहित वातावरण में निर्वाचन सम्पन्न करावे खातिर पर्यवेक्षण के जरुरी परेला। नेपाल के राजनीतिक इतिहास में संविधानसभा सदस्य के निर्वाचन पहिल बार भइला से इ निर्वाचन के पर्यवेक्षण कइल आउर जरुरी देखल गइल बा। ई निर्वाचन में जियोक जइसन स्थापित संजाल सब के पर्यवेक्षण से पेश करल गइल सुझाव आ देखल गइल त्रुटि सार्क क्षेत्र लगायत संसार के आउरो देश सब में भविष्य में होखेवाला संविधानसभा सदस्य के निर्वाचन खातिर शिक्षाप्रद सावित होलाके चलते ई बेरिया के नेपाल के पर्यवेक्षण के अनुभव के बहुत बड्का महत्व बा।

२.२ पर्यवेक्षक के विवरण आ कार्यक्षेत्र

आमनिर्वाचन पर्यवेक्षण समिति, नेपाल लामा समय के खातिर ३५ गो राष्ट्रिय पर्यवेक्षक, ३५ जिला में जिला पर्यवेक्षक आ छोट समय के खातिर ७० गो निर्वाचन क्षेत्र स्तरीय पर्यवेक्षक, ४० गो नगरपालिका स्तरीय आ ७०० गा.वि.स. स्तरीय पर्यवेक्षक कके जामाजमी ८८० गो पर्यवेक्षक लोग के संविधानसभा सदस्य निर्वाचन में प्रत्यक्ष रुप से संलग्न कराके पर्यवेक्षण के काम सम्पन्न कइलक। हरेक जिला में २० गो गा.वि.स. के छनोट कके ३५ जिला के ७०० गा.वि.स. स्तरीय पर्यवेक्षक लोग के पर्यवेक्षक के काम करे खातिर जिलास्तरीय पर्यवेक्षण तालिम देवल गइल रहे। सब पर्यवेक्षक लोग के संविधानसभा सदस्य निर्वाचन के बारे में संवैधानकि आ कानूनी ज्ञान सहित के संविधानसभा सदस्य निर्वाचन पर्यवेक्षण निर्देशिका, २०६४ तयार कके समय में ही उपलब्ध करावल गल रहे।

राष्ट्रिय पर्यवेक्षक के काम के अनुभव

क्र.सं.	अनुभव	औरत	पुरुष	जम्मा
०१	संयुक्त राष्ट्रसंघीय संगठन के पूर्व प्रतिनिधि		०२	०२
०२	कानून व्यवसायी	०४	०७	११
०३	पूर्व महासचिव आ पूर्व वरिष्ठ प्रशासक लोग		०३	०३
०४	प्राध्यापक	०१	०६	०७
०५	मानव अधिकारवादी		०१	०१
०६	पूर्व उपकूलपति		०१	०१
०७	नागरिक समाज के अगुवा लोग		०३	०३
०८	समाजसेवी		०१	०१
०९	इन्जिनियर		०१	०१
१०	बरिष्ठ पत्राकार लोग	०१	०४	०५
११	पूर्व राजदूत		०१	०१
	जम्मा	०६	२९	३५

२.३ पर्यवेक्षण प्रतिवेदन तयारी पद्धति

निर्वाचन क्षेत्र, नगर, गा.वि.स. स्तरीय पर्यवेक्षक आपन से पर्यवेक्षण कइल क्षे.त्र आ स्थान सब के पर्यवेक्षण के प्रतिवेदन जिला पर्यवेक्षक के समक्ष पेश करे के व्यवस्था रहे आ ओ प्रतिवेदन सब के रारांश के रुप में तयार करल गइल प्रतिवेदन जिला पर्यवेक्षण राष्ट्रिय पर्यवेक्षक के बुझावे के व्यवस्था कइल गइल रहे । राष्ट्रिय पर्यवेक्षक लोग जिला के पर्यवेक्षकद्वारा भेंजल गइल पर्यवेक्षण प्रतिवेदन के परिमार्जन आ आपन अनुभव से वस्तुगत विस्तृत तथ्य के विश्लेषण कके जियोक के सचिवालाय में भेंजल गइल आ उ भेजल गइल प्रतिवेदन के अध्ययन आ विश्लेषण कके राष्ट्रिय रुप में सरांश प्रतिवेदन तयार करल गइल बा । ई प्रतिवेदन तयार करे खातिर गुणात्मक आ संख्यात्मक विधि के प्रयोग करल गइल बा । सीमित समय में ही निर्वाचन आयोग, नेपाल सरकार आ सम्बद्ध पक्ष के ओरसे निर्वाचन सम्बन्धी ऐन, कानून, नियम, निर्देशिका के निर्माण, निर्वाचन के तयारी, निर्वाचन सम्पन्न करे खातिर आवश्यक भौतिक स्रोत- साधन आ जनशक्ति के व्यवस्थापन में पुगावल दृष्टिकोण आ जल्दी बाजी के प्रशंसा करही के परी, द्वन्दसे गुजरल हमनी के देश संविधानसभा सदस्य के चुनाव के मार्फत समस्या समाधान निकाले में सक्षम बा कहके मानही के परी । आजतकले संसार के चुनाव के इतिहास देखल जाए त त्रुटिरहित चुनाव कतहु नइखे भइल । नेपाल में भी संविधानसभा के चुनाव त्रुटिरहित ना देखल गइल । निर्वाचन पर्यवेक्षण के क्रम में दे खल गइल कुछ लिखही वाला बात सब प्रतिवेदन में लिखल गइल बा । ■

संविधानसभा के बारे में कानुनी समीक्षा

३.१ संविधानसभा के विकासक्रम

नेपाल सरकार वैधानिक कानून, २००४ नेपाल के पहिल संविधान ह जवन लागु ना होए सकल । राणा शासन के अन्त के वाद में तत्कालीन राजा त्रिभुवन नेपाल अन्तरिम शासन विधान, २००७ लागु कइलन । राजा त्रिभुवन २०१४ सालमें संविधानसभा चुनाव करावे कहलेन बाकिर चुनाव ना होएसकल । राजा महेन्द्र २०१५।११।१ गते नेपाल अधिराज्य के संविधान, २०१५ लागु कके बी.पी. सररकार के अपदस्थ करइत निर्दलीय शासन शुरु कके राज्यसत्ता आपन हाथ में लेलन ओकरा वाद में नेपाल के संविधान, २०१९ के घोषणा करल गइल । ऐ तरे ३० बरिष तक पंचायती शासन व्यवस्था के बाद ऐतिहासिक जनआन्दोलन परिणाम के रुप में २०४७ कार्तिक २३ गते नेपाल अधिराज्य के संविधान, २०४७ नेपाली जनता के सामुने आइल । ओकरा वाद में तत्कालीन राजा बीरेन्द्र के वंश नाश के साथेसाथ राजा बनल ज्ञानेन्द्रद्वारा निर्वाचित प्रधानमन्त्री के अपदस्थ करइत शासन व्यवस्था आपन हाथ के लेके देश के प्रजातन्त्र के हत्या करे के कुप्रयास कइलन । शासन व्यवस्था आपन हाथ में लेके देश के प्रजातन्त्र के हत्या करे के प्रयास करल बाकिर २०६२।०६२ आन्दोलन के सामने हारल ज्ञानेन्द्र के घोषणा साथे नेपाल में लोकतन्त्र आइल । ओकराबाद नेकपा माओवादी लगायत सब पाटी के सहमति में अन्तरिम संविधान, २०६३ के निर्माण भइल जवना संविधान में २०६४ जेठ महिना के भितर संविधानसभा के चुनाव करावे के व्यवस्था धारा ३३ में करल गइल बाकिर ओ मिति में निर्वाचन ना भइला के चलते निर्वाचन के मिति पुष में सारल गइल बाकिर ओहु मिति पर नभइला से संविधान में र हल 'पुष महिना' निकाल के २०६४ चैत्र २८ गते चुनाव करावे के निर्णय भइल आ ओही मिति में चुनाव भी सम्पन्न कइल ।

३.२ संविधानसभा के पृष्ठभूमि

२०६४ पुष महिना के चुनाव ना भइलाके वाद देश ने विकसित राजनीतिक घटनाक्रम के परिणाम सवरुप मुलुक के राज्य संरचना के सब अंग में मधेशी, दलित, आदिवासी लगायत सब पिछडल वर्ग के समावेशी आ समानुपातिक आधार पर सहभागिता करावे नीति मोताविक धारा १५४ "क" थप कके निर्वाचन क्षेत्र निर्धारण आयोग गठन करेके प्रावधान राखल गइल । जेकरा मोताविक प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली से २४०, समानुपातिक से ३३५ आ मनोनित से २६ आदमी राखके जम्मा ६०१ सभासद् के व्यवस्था करल गइल । संविधान में चौथका संशोधन कके राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति के अधिकार आ कर्तव्य के व्यवस्था करइत नेपाल में गणतन्त्र के कार्यान्वयन होचुकल बा ।

३.३ नेपाल के अन्तरिम संविधान, २०६३

२०६२/०६३ के आन्दोलन के उपलब्धि के रुप में नेपाल के अन्तरिम सविधान, २०६३ भी एक ह जेकर ४ बार संशोधन होचुकल बा । ई संविधान के धारा ६४ संविधासनभा के अवधि २ बरिष तोकले बा, बाकिर धारा १४३ के मुताविक संविधान निर्माण के काम २ बरिष में पुरा ना भइला पर संविधासनभा के कार्याकाल ६ महिना तक बढावे के प्रावधान रख गइल बा ।

३.४ संविधानसभा सदस्य निर्वाचन ऐन, २०६४

ई ऐन में संविधानसभा सम्बन्धी सब व्यवस्था करल गइल बा । जइसे - निर्वाचन क्षेत्र आ निर्वाचन, प्रणाली, सदस्य, संस्था, प्रत्यक्ष आ अप्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली के व्यवस्था, उम्मेंदवार के मनोनयन प्रक्रिया, दावी विरोध, मतगणना पद्धति जईसन संविधानसभा सदस्य निर्वाचन सम्बन्धी सब व्यवस्था करल गईल बा ।

३.५ सविधानसभा सदस्य निर्वाचन नियमावली २०६४

संविधानसभा सदस्य निर्वाचन ऐन, २०६४ को सहयोगी के रुप में ई नियमावली के अनुसूची १ मे प्रत्यक्ष निर्वाचन प्रणाली के कार्यक्रम, अनुसूची २ में समानुपातिक, ३ में मनोनयन पत्र के ढाँचा, उम्मेंदवार के दल स्वीकृति इत्यादि, अनुसूची-४ में राजनीति पार्टीद्वारा मनोनयन करल गइल औपचारिक पत्र ढाँचा समेंत के नियम ६ (२) अन्तर्गत बनल बा । उम्मेंदवार के बन्द सूची सम्बन्धी कार्यविधि नियम थप स्पष्ट पारेके काम कइले बा ।

३.६ निर्वाचन (कसुर आ सजाय) ऐन, २०६३

ई ऐन के मुख्य विशेषता के रुप में देखल जाए त ई ऐन विद्युतीय निर्वाचन प्रणाली के मान्यता देवेके साथेसाथ आमसभा बाहेक लाउडस्पीकर के प्रयोग ना करे के, पोष्टर ना साटेके, ध्वनि प्रदुषण लगायत के प्रदूषण ना करेके, तोकल गइल सीमा से बेसी खर्च ना करे के साथे स्वतन्त्र निष्पक्ष निर्वाचन के विरोध में होखेवाला सब के काम के ई ऐन कसूर घोषित कइले बा । दफा ३-८ तक कसूर के बारे में आ दफा १९ में सजाय के बारे में व्यवस्था करल गइल बा । ई ऐन में नेपाल के स्वतन्त्रता, सार्वभौमसता, जनता में निहित राजकीय सत्ता आ बहुदलीय प्रतिस्पर्धात्मक लोकतन्त्र के विरोध में कवनो भी प्रचार ना करेके आ मतपत्र में मत संकेत कइला के बाद केहु के मतपत्र ना देखावे के जइसन व्यवसथा करल गइल बा ।

३.७ निर्वाचन आयोग ऐन, २०६३

संविधान के धारा ६३ के मोताविक निर्वाचन, उपनिर्वाचन करावे के अधिकार निर्वाचन आयोग के ई ऐन के मोताविक प्राप्त बा आ निर्वाचन सम्पन्न करे खातिर आवश्यक पद के श्रृजना करे के आ नियुक्त करे के भी अधिकार प्राप्त बा । साथेसाथ आउरो निकाय से सहयोग लेवेके, अनुगमन करे के करावेके, नपर्यवेक्षक खातिरअनुमति छेवेकै, भौतिक स्रोत-साधन के व्यवस्थापन करे के, स्वतन्त्र, चुनाव ना भइना पर रद्द रहे के, उम्मेंदवार के अयोग्यता के बारे में निर्णय करे के, मानयता किलल

पार्टी सबके नामावली प्काशित करे के, पार्टी के दायित्व पूरा बा कइला पर खारिज करे के, निर्वाचन में खर्च के हद निर्धारण करे के जइसन बहुत काम के बारे में ई ऐन में व्यवस्था करल गइल बा ।

३.८ मतदाता नामावली सम्बन्धी ऐन, २०५३

ई ऐन मतदाता नामावली सम्बन्धी ऐन २०५२ के बदला में आइल बा । देश भर के मतदाता के नामावली संकलन आ ओकर अद्यावधिक उद्देश्य से ई ऐन बनावल गइल बा । ई ऐन के मोताविक नेपाल में पहिलबार जेल कैदी, ब्यारेक के सेना आ शिविर के सैनिक के भोट देवेके व्यवस्था करल गइल बाकिर समानुपातिक तर्फ मातर ।

३.९ मतदाता नामावली सम्बन्धी नियमावली २०६३

ई नियमावली आ अद्यावधि के खातिर नाम संकलन करे के साथेसाथ मतदाता के मृत्यु, बसाई सराई, मतदाता नामावली में नाम राखे खातिर अयोग्य लोग के विवरण संकलन के अनुसूची ४ के ढाँचा में प्रकाशित करे के निर्देशात्मक व्यवस्था कइले बा । केहूके नाम यदि मतदाता नामावली में छुटता त दरखास्त देके आपन दर्ज करावे के व्यवस्था, दोहोरो नाम हटावे के व्यवस्था जइसन अनेक व्यवस्था सब ई नियमावली करल गईल बा ।

३.१० राजनीतिक दल दर्ता (निर्वाचन प्रयोजन) नियमावली २०६३

देखल जाए त ई नियमावली में राजनीतिक दल के दर्ता करावे के विधि के बारे में चर्चा कइल बा । निर्वाचन आयोग से निर्वाचन प्रयोज के मान्यता प्राप्त करे खातिर हरेक राजनीतिक दल के आयोग में दर्ता करावे खातिर अधिक से अधिक एक महिना के समय देके नेपाल राजपत्र में सूचना प्रकाशित कइल जाला । राष्ट्रिय स्तर के पत्रपत्रिका में सूचना निकलला के व्यवस्थापिका संसद में प्रतिनिधित्व करेवाला दल सब के बाहेक दोसर दल कम्ती में १० हजार मतदाता के हस्ताक्षर सहित दल के विधान, घोषणा पत्र, नाम, प्रधान कार्यालय, ठेगाना, अन्य स्रोत, छाप के नमूना लगायत आउरो आवश्यक शर्त सहित अनुसूची २ में देवल गइल ढाँचा के मोताविक निवेदन देवेके प्रावधान बा । निवेदन में आवश्यक जाँचबुझ कइला के बाद दल दर्ता होरवेला ।

३.११ संविधानसभा सदस्य निर्वाचन आचारसंहिता २०६४

संविधानसभा सदस्य के निर्वाचन मर्यादित ढंग से सम्पन्न करावे खातिर निर्वाचन आयोग ऐन, २०६३ के दफा २८ के अधिकार प्रयोग कके ई आचारसंहिता के निर्माण करल गइल बा जेकरा मोताविक शिष्ट भाषा में प्रचारप्रसार करे के, एक रंग के पर्चा, दिवार लेखन, तुल वैनर के प्रयोग पर बन्देज लगावल गइल बा । मतदान के दिन के ४८ घण्टा अगाडि से ही मौन अवधि शुरु के व्यवस्था । ई आचारसंहिता के मोताविक पार्टीद्वारा करल जाए वाला खर्च के सीमा भी तोकल गइल बा ।

३.१२ संविधानसभा अदालत ऐन, २०६४

संविधानसभा सदस्य के निर्वाचन के क्रम में परल उजुरी के उपर काम किनारा करे खातिर ई ऐन के निर्माण करल गइल बा। काम किनारा के क्रम में संविधानसभा सदस्य के योग्यता, निर्वाचन बदर आ संविधानसभा सदस्य निर्वाचन के बारे में,कुसुर के बारे के विवाद संविधासभा अदालत के क्षेत्र के भितर परेला। ई तीन गो बात पर कवनो भी राजनीतिक दल प्रश्न ना उठा सकेला। ■

जिला पर्यवेक्षण प्रतिवेदन

४.१ झापा

ई जिला में राजनीतिक दल आ संचार माध्यम सब के प्रयास से मतदाता में जनचेतना देखल गइल । ग्रामीण क्षेत्र के बृद्ध बृद्धा में चेतना के कुछ कमी देखल गइल । २०६४ फागुन १३ से १९ गते तक आ २३ गते दु चरण में मनोनयन दर्ता भइल रहे । निर्वाचन के प्रति सब तह आ तप्का के लोग मे व्यापक उत्सुकता देखल गइल रहे । सब दिन के शान्ति खातिर लोग भोट देवेला तत्पर रहे । झापा में मतदान केन्द्र के वातावरण देखल जाए त सब मतदान केन्द्र के निर्धारण सर्वदलीय सहमति के आधार पर भइल रहे । एक मतदान केन्द्र पर ६ गो कर्मचारी आ ओतने संख्या मे स्वयं सेवक के भी व्यवस्था करल गइल रहे । ई जिला में आचारसंहिता के भितर रहके आपन जिम्मेवारी बहन कइले रहे । शान्तिसुरक्षा के स्थिति देखल जाए त निर्वाचन के २ साता पहिले तक गाँव घर में लोग के डरत्रास रहे बाकिर निर्वाचन के नजिकले राजनीतिक कार्यकर्ता के सक्रियता के चलते डर त्रास समाप्त होगइल । सुरक्षाकर्मी के परिचालन के चलते समग्र में शान्ति व्यवस्था के स्थिति बहुत आछा रहे । एक दु जगह पर भइल सामान्य विवाद के अलावा कवनो हिंसात्मक घटना ना घटे सकल । मतगणना में शान्ति सुरक्षा के व्यापक परिचालन के चलते शान्तिपुर्ण ढंगसे सफल भइल । भद्रपुर नगरपालिका क्षेत्र नं. ३ में महिला कर्मचारी लोग मातर रहे ।

४.२ मोरंग

सामान्य जनता में चुनाव प्रक्रिया के बारे में जानकारी के कमी देखल गइल । बहुत लोग ई चुनाव के सरकार बनावे खातिर भइल चुनाव समझ के उम्मेदवार से गाँव में रास्ता, पुल आ नोकरी के भी माँग रखलक । मतदान के स्तर आ प्रतिवद्धता देखल जाए त ओतना अच्छा ना रहे । आपन आस्था के पार्टी के चुनाव चिन्ह के बारे में थाह ना होनाइ, औठासे छाप लगाके भोट देनाई जइसन काम से मतदाता के स्तर बुझल जा सकले । मतदान केन्द्र के वातावरण देखल जाए त व्यवस्थित ना रहे । मतदान केन्द्र भी उचित जगह वर ना रहे । ४।४ कि.मी. तक पैदल जाके भोट देवे के अवस्था रहे । ६ गो बुथ राखेके सट्टा २ गो ही बुथ राखल गइल रहे । आचारसंहिता के पालना ना भइल रहे । पार्टी सब आचारसंहिता से बाहर देखल गइल । मोटरसाइकल र्‍याली, भेष्ट वितरण जइसन काम भी भइल । शान्ति सुरक्षा के स्थिति भी संतोषजनक ना रहे । खास के माओवादी के ओर से- "हमनी ना जितेम त खुनखराबा होई, फेरसे जंगल जाइम" जइसन धम्की सब आइल रहे । ई जिला में मानसिक रुप में हिंसा के प्रवृत्ति देखल गइल रहे । कुछ दल से गाँव कब्जा कके दोसरा दल के गाँव प्रवेश से रोक लगावल गइल रहे । चैत्र २९ गते सझिया ४:०० बजे मतगणना शुरु भइल आ वैशाख ०५ गते सब परिणाम प्रकाशित होचुकलक ।

४.३ सुनसरी

ई जिला के जनता लोग ई बतइलन कि राजनैतिक पार्टी सबद्वारा करल गइल सभा, गोष्ठीसे ज्ञान चेतना में बृद्धि भइल बाकिर दलित जात में अज्ञान के अभाव देखल गइल । २०६४ फागुन २३ गते से २६ गते तक उम्मेंदवार मनोनयन आ दर्ता प्रक्रिया भइल । बाप के क्रिया लेल आ सबेरे सात बजे बेटी के जनम देके २ :०० बजे भोट देवे आएलासे प्रष्ट होता कि मतदाता के स्तर आ प्रतिबद्धता उच्च रहे । ई जिला में चुनाव के वातावरण शान्तिपूर्ण बनावे के प्रयास भइला के बाद भी आचारसंहिता के पुरा पालाना ना भइल । धरान वार्ड नं. १२ के मतदान केन्द्र पर मतदान अधिकृत के सही नाभइल मतपत्र भेटाइल ओकरा वाद शान्तिसुरक्षा के स्थिति ठीक देखल गइल । इनरुवा क्षेत्र नं. ५ मे फोरम आ काँग्रेस के बीच के झपड में एक आदमी के धरान के बी.पी. अस्पताल में मृत्यु होगइल । मतगणना के काम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न भइल ।

४.४ धनकुटा

किसान, मजदुर लगायत निम्न वर्ग आ मध्यम वर्ग के लोग रहल ई जिला के मतदाता लोग मे संविधानसभा के प्रति झुकाव देखल गइल जेकरा चलते ३ घण्टा रासता चलके आ घण्टौघण्टा लाइन में लाग के लोग भोट गिरइलक । स्वच्छ, स्वतन्त्र चुनाव सम्पन्न करावे के सर्वदलीय सहमति के फलस्वरुप मतदान केन्द्र के वातावरण शान्तिपूर्ण देखल गइल । आचारसंहिता उल्लंघन करे में माओवादी अगाडि रहे । जगह जगहपर वालपेन्टिङ यथावत रहे । द्वन्द्व के समय में विस्थापित पुलिस चौकी के स्थापना से आ सशसत्र पुलिस के बेसक्याम्प भइला से शान्ति सुरक्षाके स्थिति ठीक रहे । जिला में नेकपा (माओवादी) के वाइसिएल के धाँधली के चलते अधिकांश मतदान केन्द्र पर रा.प्र.पा. आ जनशक्ति पार्टी आपन प्रतिनिधि ना राखे सकल । क्षेत्र नं. २ भीरगाउँ ४ मे २३ गते रात के ८ बजे अपहरण के २४ गते लाश प्राप्त भइल । घटना के एक दिन अगाडि माओवादीद्वारा मृतक के श्रीमती के - तोहर पति के नाम कारवाही के लिष्ट में बा, कुछ भी होसकेला कहके बतइले रहस । YCL द्वारा राप्रा के झण्डा, प्रचार के समान सब, लुटलगइल, जलावल गइल आ सुर्य बहादुर थापा के कार्यकर्ता के गाँवसे निकालल गइल । थ्क्री पार्टी के चुनाव चिन्ह अंकित टोपी, भेष्ट, विल्ला लगाके आ हँसुवा हथौडी के झण्डा खुल्ला जगह पर टांग के आचारसंहिता के घोर उल्लंघन कइलक । आँखसे ना देखेसकी कहके बहाना बनबइत माओवादीद्वारा भोट गिरावल गइल । ऐकरा साथेसाथ माओवादी आ थ्क्री द्वारा व्यापक कुटपिट, धम्की भइल रहे । मतगण्नाके काम चइत २९ गते रातके ९:०० बजे शुरु भइल आ परसो खानी समाप्त होगइल ।

४.५ उदयपुर

ई जिला मे ५४.४४% भोट गिरला से मतदाता के चेतना के स्तर उच्च रहे, मानल जासकेला । निर्वाचन आयोगद्वारा तोकल गइल समय के भितर ही सब पार्टी आपन मनोनयन दर्ता करालेलक । मतदान केन्द्र पर शान्तिसुरक्षा अच्छा भइला के चलते दिन के २:०० बजेतक भोट गिरावे के काम समाप्त होगइल । पार्टी सब सार्वजनिक गाडी के दुरुपयोग कके आ माओवादी के ओर से दोसरा पार्टी के कार्यक्रम के वातावरण विगारेके, दोसरा पार्टी के कार्यकर्ता के नियन्त्रण में ले बे के जइसन काम के कारण आचारसंहिता के उल्लंघन देखल गइल । माओवादी के ओर से भोट ना

देवेवाला के गोड तुरेके, धनसम्पत्ति कब्जा करे के धम्की देवल गइल । ३ सुरक्षा क्याम्प के स्थापना आ मोबाईल गस्ती के कारण से जिला के शान्तिसुरक्षा के अवस्था ठीक रहे । बाकिर चइत २३ गते क्षेत्र नं. ०१ के एमाले उम्मेंदवार अशोक राई के अपहरण करल गइल । सर्वदलीय सहमतीसे मतगणना के काम शान्तिपूर्ण तरिका से सम्पन्न भइल ।

४.६ संखुवासभा

सरकारी, गैरसरकारी स्तर के प्रयास के वाद भी मतदान प्रक्रियागत चेतना के अभाव देखल गइल । अधिकांश बदर मत में औंठा के छाप रहे । मनोनयन के विषय में केहूके कवनो शिकाइत ना रहल । ३ अस्थायी सहित जम्मा १६० केन्द्र रहल ई जिला में ९५० कर्मचारी परिचालन करल गइल । मतदान केन्द्र पर अपाङ्ग, बृद्ध खातिर बइठे के व्यवस्था ना भइल आ मतदान केन्द्र बहुत दूर रहल कहके लोग के शिकाइत रहे । माओवादी कार्यकर्ता के ओर से मतदान केन्द्र के गेट पर पाटी के झंडा टांगेके, दोसरा पार्टी के कार्यकर्ता के घर से ना निकले देवेके, आपना पार्टी के भोट ना देवेवाला के भौतिक कारवाही करेके जइसन डर, त्रास, धम्की देके आचारसंहिता के उल्लंघन करल गइल । सरकार के सब सुरक्षा निकाय के परिचालन के फलस्वरुप शान्तिसुरक्षा के अवस्था ठीक रहल । माओवादी आपन पार्टी के भोट देवे खातिर दवाव देलन कहके मतदाता के शिकाइत रहे । ई जिला में चुनाव के समय में कवनो किसिम के अप्रिय घटना ना घटल मा चुनाव शान्तिपूर्ण तरिका से सम्पन्न भइल । मतगणना के काम भी सामान्य विवाद के अलावा शान्तिपूर्ण तरिका से सम्पन्न भइल ।

४.७ सप्तरी

मधेश आन्दोलन, सशस्त्र समूह के चलते जिला में त्रास, हत्या हिंसा के अवसथा रहल बाकिर जनता में राजनीतिक चेतना देखल गइल । आउरो मतदान केन्द्र पर व्यापक मतदाता उपस्थिति के बाबजुद त्रिकौल गा.वि.स. मतदान केन्द्र पर एक भी मतदाता के उपस्थिति ना रहल । मनोनयन दर्ता फागुन १३ गते आ २३ गते २ चरण में भइल । १३ गते सब दल के आ २३ गते मधेशवादी दल के मनोनयन दर्ता भइल । मतदान केन्द्र पर सुरक्षा व्यवस्था, स्वयंसेवक, पर्यवेक्षक के व्यवसथा के साथेसाथ मतदाता के सुविधा खातिर औरत आ पुरुष के खातिर अलग अलग भोट गिरावे के व्यवस्था करल गईल । आंशिक रुप में अचारसंहित पालना करल गइल । प्रोक्सी भोट गिरल बाकिर प्रतिरोध करेके अवस्था ना रहल । प्रस्वनीटेङ्गरी, मधुवापुर, डाठा गा.वि.स., राजविराज के चेनौरा केन्द्र, बजार केन्द्र, रम्पुरा मल्हनिया केन्द्र पर विवाद भइल आ जियोक प्रतिनिधिद्वारा तत्काल प्र.जि.अ. के सूचना कके सुरक्षाकर्मी परिचालित कइला पर शान्तिपूर्ण वातावरण में चुनाव सम्पन्न भइल । २०६५।१।१ से सुरु भइल मतगणना १० दिन के वाद समाप्त भइल । मतगणना के काम सामान्य विवाद बाहेक शान्तिपूर्ण तरिका से ही सम्पन्न भइल ।

४.८ सिरहा

शुरु में संविधानसभा निर्वाचन के बहिष्कार करेवाला मधेशवादी आ सरकार के बीच फागुन १६ गते सम्झौता भइला से चुनाव के वातावरण बने सकल । सशस्त्र समूह के व्यापक सुरक्षाकर्मी के मार्फत् प्रभावहिन बनावल गइल । मधेश आन्दोलन, राजनीतिक उथलपुथल से आमजनता में राजनीतिक चेतना में बृद्धि देखल गइल बाकिर मध्यम वर्ग, साक्षर वर्ग के तुलना में मूल प्रवाह में ना आइल वर्ग में चेतना कमी देखल गइल । फागुन १३ आ २३ गते २ चरण में मनोनयन प्रक्रिया सम्पन्न भइल । हरेक निर्वाचन केन्द्र में १० से लेके १५ सुरक्षाकर्मी तैनाथ करल गइल । जिला में भिते लेखन, दोबारा मतदान, नाबालक मतदान, विदेश में रहल आदमी के नाम पर मतदान जइसन आचारसंहिता विपरित काम सब देखल गइल । १ नं. निर्वाचन क्षेत्र के सोनमति में झेवेरा पर एमाले द्वारा बुथ कब्जा करे के प्रयास भइला से १ घण्टा मतदान स्थागित भइल । तेनुवापट्टी के सोहपुर, बालमन्दिर, फुर्जबारी नि.मा.वि. बुथ, कर्जन्हा बुथ पर विभिन्न विवादके चलते मतदान स्थगित भइल आ २०६५ बैशाख ५ गते पुनः मतदान भइल । विभिन्न विवादके बीच मतदान सम्पन्न भइल आ परिणाम भी सार्वजनिक करल गईल ।

४.९ धनुषा

भिषण मधेश आन्दोलन के कारण संविधानसभा के चुनाव के सम्भावना न्यून रहल ई जिला में चइत १६ गते सरकार आ मधेशवादी दलबीच भइल सम्झौता के परिणाम स्वरुप फागुन २३ गते मनोनयन दर्ता भइल । १३ गते आ २३ गते जम्मा १६८ उम्मेंदवार के उम्मेंदवारी परल रहे । मध्यमवर्गीय उत्सुकता अधिक देखल गइल, पिछडल लोग में उत्सुकता के कमी रहे । नमुना मतदान धनुषा में १० स्थान पर भइल रहे । दिवार, तारबार, गर्मी से बचे खातिर त्रिपाल, पर्यवेक्षक, सुरक्षाकर्मी के परिचालन से चुनाव शान्तिपूर्ण तरिका से सम्पन्न भइल । भित्ते लेखन, सवारी साधन के दुरुपयोग, माइक के प्रयोग जइसन आचारसंहिता के उल्लंघन देखल गइल । एगो मभतदान केन्द्र में २ गो जनपद आ ४ गो म्यादी पुलिस खटावल गइल रहे । एके गो भवन में २ गो बुथ भइला के अवस्था में ५ म्यादी, ३ जनपद पुलिस खटावल गइल रहे साथे साथ मोबाइल टोली के व्यवस्था रहे । असमान्य घटना भइला पर १० मिनट में मोबाइल टोली पुगेके व्यवस्था करल गइल रहे । निर्वाचन के समय में राजनीतिक हिंसा के कारण से मतदान स्थगित ना भइल बाकिर चुनाव अगाडि आ पछाडि राजनीतिक हिंसा में बृद्धि जरुर रहे । मतगणना कवनो जगह पर चइत २९ गते से आ कवनो जगहपर ३० गते से शुरु भइल । कुछ विवाद के बीच मतगणना के काम सम्पन्न भइल ।

४.१० दोलखा

जिला में नेकपा माओवादी के दबदाबा जादा देखल गइल जेकरा चलते चइत २१ गते एमाले के ध्वज खड्का के घर में आग लगावल गइल आ ओकर आरोप नेपाली काँग्रेस पर लगावल गइल । आमलोग में परिवर्तन के रुप में लेवल गइल संविधानसभा के चुनाव सीमान्तकृत वर्ग में जातीयता, सामाजिक विभेद के अन्त के रुप में देखल गइल । फागुन १३ गते मनोनयन के काम सम्पन्न भइल । मतदनाता के स्तर उच्च देखल गइल । भोट देवे खातिर उत्सुकता जादा रहे । माओवादी जिला के ९ स्थान पर बुथ क्याप्चर कईलक कहके एमाले आ काँग्रेसद्वारा जिला निर्वाचन आयोग में

उजुरी देवल गइल बाकिर ओकर स्वतन्त्र पुष्टि ना होसकल । प्रचार प्रसार पूरा स्वतन्त्र ना रहे । मतदान में बच्चा के प्रयोग, मतदाता में डर, त्रास के व्यापकता जइसन आचारसंहिता के उल्लंघन देखल गइल । जिला के च्यामा, हाहरे, शैलुङ्गेश्वर, ध्यागं, मिर्गे, जुँगा, मैनापोखरी बुथपर एमाले आ माओवादी कार्यकर्ता बीच झडप भइल । वाद में उम्मेंदवार के पहल में शान्ति - सुरक्षा कायम भइल । एक केन्द्र पर २ जनपथ, ४ सशस्त्र आ ६ म्यादी पुलिस के व्यवस्था करल गइल । नाम्दु गा.वि.स. 'क' मतदान केन्द्र पर YCL द्वारा खुकुरी प्रहार के प्रयास से आधा घन्टा मतदान स्थगित भइल । ई जिला में मतदान के दिन राजनीतिक हिंसा ना भइल । मतगणना केन्द्र पर १०० कर्मचारी, दल के प्रतिनिधि १२ गो के उपस्थित रहे आ शान्तपूर्ण तरिका से मत परिणाम सार्वजनिक भइल ।

४.११ चितवन

सविधानसभा का ह ? ऐकर काम का ह ? ऐ बारे में मतदाता लोग अनभिज्ञ रहे । मतदान में मतदाता के उपस्थिति अधिक भइलाके बाद भी कवना पार्टी आ उम्मेंदवार के चुनाव चिन्ह कथि बा ऐ बारे में मतदाता लोग अनभिज्ञ रहे । मतदान केन्द्रपर आवश्यक जनशक्ति के अभाव पर्यवेक्षण के क्रम में देखल गइल । जुटपानी, दारेचोक,कठार, गर्दी, बधौडा लगायत के बुथपर बृद्धबृद्धा आ आपाङ्ग खातिर विशेष व्यवस्था ना देखल गइल । शक्तिखोर गा.वि.स. अन्तर्गत रा.प्रा.वि. छेपेढाप में रहल केन्द्र 'ख' पर परिचयपत्र रहल पर्यवेक्षक के भी प्रवेश ना मिलल । सबपार्टी के ओर से आपन पार्टी के झण्डा, चुनाव चिन्ह अंकित गन्जी, झोरा के प्रयोग करल गइल । कालिका एफ एम के अध्यक्ष, राप्रपा केन्द्रीय सदस्य आ उम्मेंदवार विक्रम पाण्डेयद्वारा बाँदरभूला गा.वि.स. के आगलागी पीडित लोग के जनही रु. १०,०००।- बाँटल गइल । काँग्रेस, माओवादी से जुलुस में बालबालिका के प्रयोग, उम्मेंदवार के ओरसे भौतिक विकास के आश्वासन जइसन आचारसंहिता के उल्लंघन करल गइल । शान्ति सुरक्षा के स्थिति खासे अच्छा ना रहे । भरतपुर के सिद्धिविनायक बुथ, गुन्जनगर गा.वि.स. बुथ के बाहर खडा हतियारधारी के नियन्त्रण में 'लेवल' गइल । एमाले, राप्रपा, काँगेस, माओवादी, जनमोर्चा के कार्यकर्ता बीच जिला के विभिन्न बुथपर झगडा देखल, गइल । २८ चैइत २०६४ में स्थगित कइल मेंधौली गा.वि.स. अन्तर्गत के १२ मतदान केन्द्र सब में २०६५ बैशाख ३ गते चुनाव सम्पन्न भइल । मतगणना स्थल भितर पर्यवेक्षक लोग, संचारकर्मी लोग के प्रवेश निषेध रहे बाकिर बाहर के खिड्की से पर्यवेक्षण, समाचार संकलन करे खातिर प्रमुख निर्वाचन अधिकृत अनुरोध कइलन । प्रवेश पत्र देखाइल पर भी सुरक्षाकर्मी के ओर प्रवेश के अनुमति ना मिलल । मतगणना के क्रम में औंठा से छाप लगवाल, एक मतपत्र में ४।४ कोठा में भोट देवलगइल, आपन विचार लिखल गइल मतपत्र भी भेटाइल रहे ।

४.१२ मकवानपुर

संचार माध्यम से संविधानसभा के चुनाव के बारे में ब्यापक जनचेतना फैलावे के काम भइला के बाबजुद भी कूलमतदाता के ६१.६% मतदान भइल । जिला में तोकल गइल समय के भितर ही पार्टी सबद्वारा मनोनयन पत्र दर्ता करावल गइल । पहिले के चुनाव से अभी के चुनाव में अधिक जनचेतना देखल गइल । जिला के सब निकाय के प्रमुख आ सब पार्टी के बीच भईल समझदारी के

मोताविक सब केन्द्र पर चइत २५ गते हि कर्मचारी सुरक्षाकर्मी, स्वयंसेवक, पर्यवेक्षक, लोग खटावल गइल रहे । मतदान केन्द्र के वातावरण प्रायः शान्त भयरहित रहे । जगह जगहपर पोष्टर टांगल के आलावा सब पक्ष से पूर्ण रुप से आचारसंहिता के पालना करल गइल । समग्र में मकवानपुर जिला के शान्ति सुरक्षा के अवस्था संतोषजनक ही देखल गइल । जिला में २१ गते से ही म्यादी पुलिस खटावल गइल रहे । पार्टी के कार्यकर्ता सब छिटपुट रुप में पिटाइल के अलावा राजनीतिक हिंसा के घटना ना भइल । सन्तोषजनक निर्वाचन सम्पन्न भइल । मतगणना के काम की सामान्य विवाद बिच शान्तिपूर्ण ढंग से समाप्त भइल ।

४.१३ ललितपुर

मतदनाता के चेतना के स्तर एकदम उच्च श्रेणी के देखल गइल । मनोनयन प्रक्रिया फागनु १३ गते ही सम्पन्न भइल । मतदाता लोग निर्वाचन के प्रति पूर्ण प्रतिवद्ध देखल गइल । दोसरा के नाम पर भोट गिरावेके, भिते लेखन आ चुनावी गेट बनावे जइसन आचारसंहिता विपरित काम सब देखल गइल । पुलिस के उपस्थित मनोवैज्ञानिक आ सांकेतिक देखल गइल । जिला में कवनो राजनीतिक हिंसा त ना भइल बाकिर जिला के दक्षिणी इलाका में माओवादी के ओर से दोसर पाटी के चुनाव प्रचार प्रसार में रोक लगावे वाला काम भइल । मतगणना के काम शान्तिपूर्ण किसिमसे समाप्त भइल ।

४.१४ काभ्रे

राजधानी से नजिक रहल ई जिला में मतदाताके चेतना के स्तर उच्च देखल गइल । मतदाता में उच्च आत्मविश्वास आ उत्साह देखल गइल । सब तह आ तप्का के लोग से मतदान करल गइल । मनोनयन विवादरहित रुपसे निर्धारित समय पर ही सम्पन्न भइल । मतदान केन्द्र पर सुरक्षा निकाय के परिचालन आ खुला चौर, स्कूल, गा.वि.स. भवन लगायत के सार्वजनिक स्थल पर मतदान के न्द्र भइला से मतदान केन्द्र के वातावरण शान्त रहे । पार्टी सबके बिच भइल सर्वपक्षीय सम्झौता के कारण से आचारसंहिता के उल्लंघन ना भइल । पर्यवेक्षक के पहुँच सुगम जगह पर ही सिमित रहल । जिला में कतहु निर्वाचन स्थगित ना भइल । सुरक्षा के व्यवस्था स्वयं स्थापित रहल । जिला में राजनीतिक हिंसा ना भइल । क्षेत्र नं. १ के विर्ता देवरानी आ कात्तिके देवराली बुथ पर कार्यकर्ता बीच झडप के चलते कुछ समय खातिर मतदान रोकाइल आ कुछ मतदान केन्द्र पर माओवादी एक पक्षीय रुपसे भोट गिरावे के आरोप बा । शान्तिपूर्ण तरिकासे मतगणना सम्पन्न भईल ।

४.१५ धादिङ्ग

बुथ पर सबेरे ४:०० बजे से ही मतदाता के लाइन देखल गइल । संबिधानसभा के बारे में थोर बहुत चेतना देखल गइल । मनोनयन के काम निर्धारित समय पर ही सम्पन्न भइल । राजनीतिक हिसाब से मतदाता में प्रतिबद्धता देखल गइल बाकिर आदिबासी, दलित जइसन पिछड वर्ग में आपन स्वविवेक से भोट देवेके स्थिति ना रहे । मतदान केन्द्र के वातावरण शान्त आ व्यवस्थित देखल गइल । सब पक्ष से आचारसंहिता के प्रति प्रतिबद्धता देखावला के बाद भी बहुत जगे पर आचारसंहिता उल्लंघन के घटना देखल गइल । सुरक्षा संयन्त्र के परिचालन से शान्तिसुरक्षा के स्थिति अच्छा

रहे । चुनाव के क्रम में राजनीतिक झपड, कुर्टपिट, बक्सा तोडफोड, खुँडा, खुकुरी, तरबार के प्रदर्शन भी करल गईल । स्थिति के नियन्त्रण में लेवेखातिर सदरमोकाम में कर्फ्यू भी लगावल गइल । २७ मतदान केन्द्र पर पुनः मतदान २०६५ बैशाख ७ गते भइल । मतगणना समग्र में शान्तिपूर्ण तरिका से सम्पन्न भइल ।

४.१६ सिन्धुपाल्चोक

'मतदान में सबके सहभागी होएके चाही' ई भावना सब में देखल गइल बाकिर पुरुष के तुलना में औरत लोग में उत्सुकता जादा देखल गइल । मनोनयन के क्रम में एमाले आ माओवादी के बीच भिडन्त भइला से १५ नेता, कार्यकर्ता दुनु तरफ से घायल भइला के वाद में सब के प्रयास से ४५ मिनेट के बाद स्थिति नियन्त्रण में आइल । समग्र में निर्वाचन शान्तिपूर्ण भइला के बाद भी भय आ त्रास बीच माओवादी बाहेक के आउरो दल के कार्यकर्ता, नेता, प्रतिनिधित के कुछो बोले के स्थिति ना रहे । एगो आदमी से १२-१५ तक फर्जी मत गिरावल गइल । ९/१० बरष के बच्चा के भी लाइन में देखल गइल । वैधानिक रुप में शान्तिपूर्ण देखल गइल मतदान व्यवहार में अवैध ही रहल । जिला में ६७५ जनपद, ७१२ म्यादी आ २५० सशस्त्र सुरक्षाकर्मी खटावल गइल । निर्वाचन माओवादी प्रभाव भितर के बाद भी निष्पक्ष देखल गइल ।

४.१७ नुवाकोट

जिला में व्यापक रुपसे चलावल गइल अन्तरक्रिया, छलफल, सम्मेलन के परिणाम स्वरुप मतदाता में जनचेतना अभिबृद्धि देखल गइल । उम्मेंदवार के मनोनयन निर्धारित मिति पर ही भइल । मतदान के संख्या पहिले से जादा भइलासे एगो मतदान केन्द्र पर ११५० गो मतदान करेके व्यवस्था रहे जे करा कारण मतदान केन्द्र के वातावरण शान्त रहल । मतदान अधिकृत के विना हसताक्षर के मतपत्र, बुथ पर दलिय प्रतिनिधि के अनुपस्थिति, मतदातासुची में नाम ना रहल से मतदान, मतदान के बाद औंठा में लगावल जाएवाला मसी के कमी जइसन आचारसंहिता के उल्लंघन देखल गइल । क्षेत्र नं. १ के मदानपुर गा.वि.स. अन्तर्गत के गा.वि.स. भवन केन्द्र क, ख, ग, घ आ ङ के मतदान स्थगित भइल जवन २०६५ वैशाख ५ गते सम्पन्न भइल । मतमेंटिका के सिल टुटल देखल गइल । मदानपुर गा.वि.स. के बुथ पर के मतपेटिका नेपाली काँग्रेस के कार्यकर्ताद्वारा तोडफोड कइला से विवाद शुरु भइल आ मतदान स्थगित होगइल जवन २०६५ वैशाख ५ गते पुनः सम्पन्न भइल ।

४.१८ तनहुँ

मतदाता के जनचेतना के स्तर मिश्रित देखल गइल । स्वस्तिक लगावे वाला जगह पर औठा के छाप, दू गो मत पत्र में भोट ना देके एके गो मात्र पत्र में भोट देवेके जइसन अज्ञानता देखल गइल । उम्मेंदवार के मनोनयन निर्धारित मिति पर ही भइल । मनोनयन खातिर सब दल के १।१ घन्टा के समय देवे खातिर सर्वदलिय सहमति भइल रहे । शान्ति खातिर मतदाता में असिम श्रद्धा देखल गइल । कूल मिलाके प्रतिबद्धता देखल गइल । समग्र में कहल जाए त मतदान केन्द्र के अवस्था सोचलसे अच्छा देखल गइल । आचारसंहिता पूर्ण रुपसे पालन करे खातिर सब दल के संयुक्त बैठक में सामूहिक प्रतिबद्धता जनावल गइल । शान्ति सुरक्षा व्यवस्थित राखे खातिर व्यापक सुरक्षाकर्मी

संचालन के बाद भी क्षेत्र नं. १ में झडप में कुछ लोग घायल भी भइल । समग्र में मतगणना के अवस्था आ प्रक्रिया व्यवस्थित ही रहल । समानुपातिक से पहिले प्रत्यक्ष ओर के परिणाम सुनावल गइल

४.१९ गोरखा

चुनाव के प्रति जनता मे उच्च स्तर के जनचेतना देखल गइल । उम्मेंदवारी के दर्ता निर्धारित मिति आ ऐन बमोजिम ही कइल गइल । मतदाता लोग घाम के प्रवाह ना कके स्वत: स्फूत रुप में लाइन लागके भोट गिरइलक । अधिकांश मतदान केन्द्र सब स्कूल में भइला से कवनो किसिमले बाधा ना देखल गइल । शिक्षक, कर्मचारी लोग के मतदान अधिकृत आ सहायक अधिकृति के रुप में परिचालन करल गइल । निर्वाचन के क्रम में आचारसंहिता के उल्लंघन कवनो पक्षसे ना भइल । सदरमोकाम से लेके ग्रामीन स्तर तक सुरक्षाकर्मी परिचालन कइलासे जिला में शान्तिसुरक्षा के स्थिति बहुत अच्छा रहल । क्षेत्र नं. ३ के दुर्गम गाँव में माओवादी कार्यकर्ता काँग्रेसी प्रनिनिधि के परिपत्र फार देवेके आरोप लगावल गइल जवन माओवादी अस्वीकार कइलक । मतगणना के अवस्था विवादित रहल ।

४.२० स्याङ्जा

निर्वाचन क्षेत्र नं. १ में ४.४३%, क्षेत्र नं. २ में ५.११% आ क्षेत्र नं. ३ में ४.०८५% मत बदर भइला से ई प्रष्ट होता कि मतदाता में चेतना के स्तर कम बा । निर्वाचन आयोगद्वारा तोकल गइल समय, ढाँचा के मोताविक पार्टी सब आपन आपन उम्मेंदवार के मनोनयन दर्ता करईलक । संविधानसभा के चुनाव काहे खातिर होता ? एकर उद्देश्य के बारे में जानकारी के अभाव देखल गइल । मतदान केन्द्र पायक परेवाला जगह पर ना भइला से सर्वसहमति से मतदान केन्द्र के हेरफेर भी करल गइल । ई जिला में देशभर में ही सब से अधिक ३६७ मतदान केन्द्र देखल गइल । समग्र में मतदान केन्द्र सब के वातावरण शान्त देखल गइल । आचारसंहिता के उल्लंघन करे में माओवादी सबसे अगाडि रहे । बुथ सब पर माओवादी कार्यकर्ता के ही हाली मुहाली देखल गइल । माओवादी के डर आ धम्कीके कारण कवनो पार्टी आपन मुह ना खोललक । बुथ सब माओवादीके 'सेल्टर' जईसन देखल गईल । कवनो किसिम के अप्रिय घटना ना भइला से इहाके शान्ति सुरक्षा के अवस्था अच्छा ही मानल जाई । मतदान के बिहानखानी २९ गते १:५५ बजे शुरु भइल मतगणना के काम कवनो किसिम के अप्रिय आ हिंसात्मक घटना के अभाव में सम्पन्न भईल । मतगणना से पहिले सर्वदलीय बैठक सब निकाय के प्रमुख के साथ सन्पन्न।

४.२१ कास्की

निर्वाचन के पहिले के पर्यवेक्षण में ई देखल गइल कि क्षेत्र नं. २, ३ आ ४ के जनता में चुनाव होई तबहु आ ना होई तबहु आ हत्या, हिंसा, ब्यापक होई कहके पुर्वानुमान करल गइल रहे । राजनीतिक दल के कार्यकर्ता सब में सुझबुझ जाँदा भइलासे निर्वाचन में मतदाता सहभातिगा अधिक देखल गइल । उम्मेंदवारी मनोनयन निर्धारित समय पर ही भइल । मतदान केन्द्र सब के पायक परेबाला जगह पर राखल गइल । एगो, बुथ पर १० गो सुरक्षाकर्मी तैनाथ करल गइल रहे । आचारसंहिता के

उल्लंघन करेमें आ फर्जी भोट गिारवे में माओवादी सबसे अगाडि देखल गइल। नेकपा माओवादी के ओर से डर धम्की आ एमाले काँग्रेस से पैसा आ विकास के प्रलोभन देके भोट माँगके आचारसंहिता के उल्लंघन कहलक । सबेरे ६:०० बजे से ही मतदाता लोगलाइन में लाग चुकल रहे । जिला में निर्वाचन के दिन राजनीतिक कारण से कवनो घटना ना घटल आ मतगणना के काम भी विवाद रहित सम्पन्न भइल ।

४.२२ **नवलपरासी**

ई जिला के मिडिया सब सथानीय भाषा में चेतनामुलक कार्यक्रम संचालन कइला से आमलोग में जनचेतना उच्च देखल गइल । उम्मेंदवारी निर्धारित समय पर ही भइल, जामा उम्मेंदवारी १०६ गो परल जे में २३ गते उम्मेंदवारी फिर्ता भइल रहे । पिछडल समुदाय में लोग मतदान के बारे में अनभिज्ञ देखल गइल । बहुत गाँव में मतदाता शिक्षा ना पुगे सकल । मतदान केन्द्र के वातावरण धाँधली रहित आ होहल्ला रहित देखल गईल । भित्रे लेखन, प्रवेशद्वारा निर्माण आ सवारी साधन के व्यापक दुरुपयोग कके आचारसंहिता के उल्लंघन करल गइल । शान्तिसुरक्षा के स्थिति व्याप्त देखल गइल । एगो बुथ पर ३ जनपद पुलिस आ ४ म्यादी पुलिस के व्यवस्था करल गइल बाकिर बुथ कब्जा करेवाला के रोके के क्षमता सुरक्षाकर्मी में ना देखल गइल । राजनीतिक हिंसा के अवस्था सामान्य देखल गइल । YCL द्वारा एमाले के नेता कार्यकर्ता के नियन्त्रण में लेवल गइल । फोरम आ काँग्रेस के भइल झडप में फोरम के चार आ काँग्रेस के ५ कार्यकर्ता घायल भइल । चइत १४ गते भइल जीप दुर्घटना में राष्ट्रिय जनमुक्ति पार्टी के उम्मेंदवार सहित ३ आदमी के मृत्यु आ ७ आदमी घायल भइल । वसन्तपुर तम्सारिट ५ में स्थगन भइल चुनाव वैशाख १ गते पुणः सम्पन्न भइल । मतगणना के काम सहज रुप में सम्पन्न भइल ।

४.२३ **रुपन्देही**

आम जनता में चुनाव के प्रति जागरुपता आ प्रतिवद्धता देखल गइल । मतदान में स्रोतसाधन जुटावे खातिर बहुत उम्मेंदवार के डमी के रुप में उठावल गइल रहे । काँग्रेस, एमाले, माओवादी, फोरम, आ तमलोपाके बर्चस्व देखल गइल । संविधानसभा के गठन प्रक्रिया, उद्देश्य, काम कर्तव्य के बारे में अधिकांश लोग में अनभिज्ञता देखल गइल । मतदान केन्द्र के वातावरण शान्त व्यवस्थित देखल गइल । एक गो से अधिक पर्यवेक्षक के ओर से अलग-अलग मतदान केन्द्र पर अलग अलग परिचय पत्र, टोपी आ जर्सी लगाके पर्यवेक्षण करल देखल गइल । जिला के उत्तरी पहाडी क्षेत्र में YCL के, दक्षिणी मधेश में मधेशवादी सशस्त्र गुट के धम्की देखल गइल । कानून के उल्लंघन करे वाला के पुलिस नियन्त्रण में लेलक, बाकिर राजनीतिक दवाव में छोडेके परल । राजनीतिक हिंसा के चलते चुनाव स्थगन करेके परल । मतगणना के काम विधिसम्मत पारदर्शी ढंग से सम्पन्न भईल ।

४.२४ **पाल्पा**

संविधानसभा के बारे में, आचारसंहिता के बारे में जनचेतना फैलावे में एफ.एम. रेडियो के बहुत बड्का भूमिका देखल गइल । मनोनयन के काम निर्धारित समय पर ही भईल । चुनाव के प्रति ऐतना प्रतिवद्धता देखल गइल कि विदेश से लोग आके मतदान कइलक । मतदान केन्द्र पायक जगह पर

रहे बाकिर सुरक्षाकर्मी के कमी महसुस करल गइल । भित्ते लेखन यथावत देखल गइल । उम्मेंदवार के उपर डर, त्रास, मनोवैज्ञानिक असर देखल गइल । २०६४ चइत ७ गते रात के ११:३० बजे निर्वाचन क्षेत्र नं. ३ सिद्धेश्वर गा.वि.स.में कुटपिट के घटना से एगो औरत आ एगो पुरुष घायल भइल । मतगणननाके काम सामान्य विवाद के बाहेक विना अवरोध सम्पन्न भइल ।

४.२५ अर्घाखाँची

चुनाव के बारे में जनचेतना फैलावे में सर्वनाम नाटक समुह के बहुत भारी योगदान रहल बाकिर दलित, गाँव के लोग में चेतना के कमी देखल गइल । मनोनयन के काम निर्धारित समय पर ही भइल । १८-२६ वर्ष के युवा लोग में जादा उत्साह देखल गइल । मतदाता लोग चुनाव के प्रति प्रतिबद्ध देखल गइल । सीमा से बाहर जाके आर्थिक खर्च, चामल, रोपेया पइसा बाँटे के काम भी करल गइल बाकिर ई बात सब के स्वतन्त्र पुष्टि ना होए सकल । १६ गो मोबाइल सुरक्षा टोली के परिचालन से जिला के चुनाव उदाहरणीय रुप में सम्पन्न भइल । राजनीतिक हिंसा के रुप में क्षेत्र नं. २ नुवाकोट गाँव में एमाले आ माओवादी के बीच के झडप भइलासे एक माओवादी कार्यकर्ता के मृत्यु होइगइल । क्षेत्र नं. १ के मतगणना बैशाख ६ गते समाप्त भइल आ क्षेत्र नं. २ के मतगणना ८ गते समाप्त भइल ।

४.२६ वागलुंग

निर्वाचन सफल बनावे खातिर एक मत के महत्व होखेला, उ भोट बदर ना होखो कहके गाँव के लोग के जगरुपता देखल गइल । मनोनयन के काम फागुन १३ गते ही सम्पन्न भइल । नगरपालिका के वार्ड नं. ९ में रहल तहरे पिपल केन्द्र पर ११० बरष के विष्णु कार्की मतदान कइलीन । मतदान केन्द्र के वातावरण शान्त ना भइला से क्षेत्र नं. १ के मालिका, २ के सर्कवा शङ्खानी आ ३ के खुंगा मतकेन्द्र पर विवाद के कारण स्थगत भइल चुनाव बैशाख ५ गते शान्तिपूर्ण तरिका से सम्पन्न भइल । सुरक्षाकर्मी के उपस्थित न्यून देखन गइल । बच्चा सबद्वारा मतदान, विदेश गइल आदमी के नाम पर मतदान, फर्जी मतदान जइसन आचारसंहिता के उल्लंघन देखल गइल। । सुरक्षाकर्मी के उपस्थिति कम भइला से शान्ति सुरक्षा के व्यवस्था सन्तोषजनक ना रहल । बाकिर घुम्ती टोली के उपस्थिति प्रभावकारी देखल गइल । सामान्य विवाद के वाद भी मतगणना सम्पन्न भइल ।

४.२७ दाङ्ग

१२ बरष से शुरु सशस्त्र विद्रोह से उकुसमुकुस भइल जनता के चुनाव प्रति के चाहना आ प्रतिवद्धता प्रगाढ देखल गइल बाकिर विगत में भइल गोलीकाण्ड से जनता चुनाव के प्रति विश्वसत ना रहे । १३ गते १० गो राजनीतिक दल आ २३ गते ५ गो राजनीतिक दल आ कुछ स्वतन्त्र उम्मेंदवारी परल । जिला में ४१४ गो मतदनान केन्द्र निर्धारण कईल गइल जे में से गँगटे मतदान केन्द्र के आलावा सब केन्द्र सुगम आ मोटर पुगल रहे । आचारसंहिता के उल्लंघन सब दल से देखेल गइल । भित्ते लेखन सब दल से भइल आ कुछ दल भित्तेलेखन मेंटइलक त कुछ दल ना मिटइलक । शान्तिसुरक्षा प्रभावकारी ना रहल । राजनीतिक हिंसा के रुप में २०६४/१२/२६ गते

लमही गोलीकाण्ड में ७ गो माओवादी सर्मथक के मृत्यु भइल आ २० आदमी घाएल भइल । मतगणना के काम शान्तिपूर्ण तरिका से सम्पन्न भइल ।

४.२८ बाँके

संविधानसभा के बारे में आंशिक जानकारी देखल गइल । मनोनयन के काम २४ गते भइल । संविधानसभा चुनाव के बाद शान्ति होई कहके मतदाता लोग प्रतिबद्ध रहे । मतदान केन्द्र पर बृद्ध, अशक्त मतदाता के खातिर प्राथमिकता देवल गइल । आचारसंहिता उल्लंघन खास ककें ना देखल गइल । प्रत्येक बुथ पर १० मिनेट में मोबाइल गस्ती पुगेके व्यवस्था करल गइल । राजनीतिक हिंसा के रुप में चइत ५ गते रा.ज.मो. के उम्मेंदवार कमल प्र. अधिकारी के अज्ञात समूहसे हत्या करल गइल बाकिर मतदान के दिन कबनो किसिम के राजनीतिक हिंसा ना भइल । मतदान सम्पन्न भइला के बाद २९ गते सबेरे ८ बजे तक मतपेटिका निर्वाचन आयोग के कार्यालय में पुगाके मतगणना के काम सम्पन्न भइल ।

४.२९ सुर्खेत

मतदाता में जनचेतना मिश्रित रुप में देखल गइल । दल सब आपन मनोनयन बाजा गाजा के साथ आयोगद्वारा तोकल गइल मिति आ प्रक्रिया अनुसार करल गइल । देश में परिवर्तन, शान्ति के खातिर आ दल सब के ओरसे अपनावल साम, दाम, दण्ड, भेद के कारणसे चुनाव के प्रति प्रतिबद्धता देखल गइल । सुर्खेत जिला में मतदान केन्द्र पर कबनो भी किसिम के अराजक, अराजनीतिक, हिंसा प्रतिहिंसा ना देखल गइल । भयरहित तबर से चुनाव सम्पन्न भइल । माओवादी के ओर से व्यापक रुपसे आचारसंहिता के उल्लंघन करल गइल । माओवादी कार्यकर्ता ध्रुव कोइराला पार्टीके चुनाव चिन्ह प्रिन्ट करावल गन्जी लगावे मतदान केन्द्र पर बइठल रहस । शान्तिसुरक्षा के स्थिति कमजोर देखल गइल । क्षेत्र नं. १ के एमाले उम्मेंरदवार ऋषिप्रसाद शर्मा के चइत २६ गते अज्ञात समूहद्वारा हत्या भइल ई घटना के राजनीतिक हिंसा के रुप में लेहल गइल । सामान्य रुप से मतगणना के काम सम्पन्न भइल आ विजयी उम्मेंदवार के घोषणा करल गइल ।

४.३० जुम्ला

ई जिला में संविधानसभा के बारे में जनचेतनामूलक कार्यक्रम सब व्यापक रुप से संचालन कइला से कुछ हदतक जनता में संविधानसभा के प्रति जनचेतना देखल गइल । संविधासनभा के चुनाव में भाग लेबेके चाही कहके जुम्लावासी में प्रतिबद्धता देखल गइल । मनोनयन निर्धारित समय पर ही भइल । मतदान केन्द्र के वातावरण देखल जाए त निष्पक्ष आ धांधली रहित देखल गइल । कवनो कवनो बुथ पर सुरक्षाकर्मी के अभाव महशुस करल गइल । माओवादी के और से दोसरा दल के प्रतिनिधि के बुथपर बईठे खातिर अवरोध करल गइल । बहुत मतदान केन्द्र पर माओवादी आपन प्रचार ककें आचारसंहिता के घोर उल्लंघन कईलक । सुरक्षा स्थिति के देखल जाए त सुरक्षाकर्मी 'माओवादी ज्यादती के मुखदर्शक देखल गइल । प्रचार में म्यादी पुलिस के भी देखल गइल । मतगणनाके काम कानून सम्मत व्यवस्थित देखल गइल ।

४.३१ मुगु

ई जिला के मतदाता में चुनाव के प्रति चेतना बृद्धि के साथे साथ चुनाव के प्रति प्रतिबद्ध देखला के बाबजुद भी परम्परा प्रभाव देखल गइल । इहाँवा एक किसिम के अद्भूत राजनीतिक परम्परा देखल जाला । चुनाव के एक दिन अगाडि इहाँवा के पार्टी सब गाँव में भगता राखके हम जितेम कि ना जितेम देखावे के परम्परा बा । भगवता से एगो गाँव में एगो पार्टी, दोसर गाँव में दोसर पार्टी बकावेला कि चुनाव के जिति ? ऐकरा खातिरगाँव के लोग के जामा कइल जाला, भोज खिआवल जाला । ई परम्परा ई चुनाव में भी देखल गइल । मनोनयन १३ गते ही भइल । मतदान केन्द्र पर लामा लाइन के कारण से कुछ लोग भोट नागिरा के ही घर लौट गइल । आचारसंहिता पालना के स्थिति कमजोर देखल गइल। ९-१४ बरष के बच्चा भोट गोरावे खातिर लाइन में खडा देखल गइल । जवन सर्वदलीय सहमतिसे ही भईल रहे । मतदान केन्द्र के चारो ओरिया आ रस्ते पँएडे प्रचार प्रसार भी करल गइल । शान्ति सुरक्षा के स्थिति देखल जाए त लोग माओवादीसे त्रसित देखल गइल । समग्र में जिला में शान्ति सुरक्षा के स्थिति एकपक्षीय देखल गइल । कवनो असहज परिस्थिति के अलावा मतगणना के काम सम्पन्न भइल ।

४.३२ कैलाली

ई जिला में संविधानसभा के बारे में जनचेतना उच्च देखल गइल बाकिर ग्रामीण क्षेत्र में जनचेतना के कमी देखल गइल । उम्मेंदवार के मनोनयन सबपार्टी आपन दलवलसहित चइत १३ आ २३ गते २ दिन करइलक । स्वस्तिक छाप के बदला में औंठा के छाप देखल गइल । मतदाता शिक्षा के अभाव देखल गइल । एक मतदान केन्द्र पर ११५० से अधिक मतदाता नाहोए के व्यवस्था करल गइल रहे । बृद्ध अपाङ्ग के प्राथमिकता देवल गइल रहे । आचारसंहिता के आंशिक रुपसे पालना करल गइल रहे । आचारसंहिता के उल्लंघन ना देखेल गइल । शान्ति सुरक्षाके अवस्था पूर्ण रुपसे संतोषप्रद देखल गइल । शान्ति सुरक्षा के अवस्था पूर्ण ना होए सकल । तीन जगे पर मतगणना के काम हो रहल ई जिला में एक मतगणना केन्द्र पर ५० गो सुरक्षाकर्मी के तैनाथ करल गइल । ४,७५,४३६ जामा मतदाता संख्या रहल ई जिला मे २८५,३५४ मत गिरल जवना में ११,५५७ मत बदर भइल ।

४.३३ बर्झाङ्ग

उम्मेंदवार में चेतना अधिक देखल गइल । गाँवस्तर के लोग में अपेक्षाकृत कम जनचेतना देखल गइल । मनोनयन के काम १३-१७ तक भइल । संविधानसभा के माध्यम से गणतन्त्र के स्थापना होई कहके आम लोग चुनाव के प्रति प्रतिबद्ध रहे । चुनाव से पहिले कवनो राजनीतिक भिडन्त ना भईल । स्थिति अपेक्षाकृत शान्तपूर्ण ही रहल । सबकुछ वनल बनावल भइला से सहज आ सौहाद्रपूर्ण वातावरण में चइत २८ गते चुनाव सम्पन्न भइल । कतहु मानव स्रोत साधन के कमी ना देखल गइल । प्रंत्येक मतदान केन्द्र पर ८-१५ गो तक पुलिस खटावल गइल रहे । राजनीतिक दल के गतिविधिसे आ सब निकाय के सहयोग से सोचल से जादा शान्ति तरिका से चुनाव सम्पन्न भइल । २ गो क्षेत्र रहल ई जिला में मतगणना सामान्य विवाद के बाहेक शान्तिपूर्ण तरिका से सम्पन्न भइल ।

४.३४ कञ्चनपुर

संघसंस्थाद्वारा संचालन करल गइल सडक नाटक, संविधानसभा के निर्वाचन का ह ? ऐ में के तरे सहभागि होएल जाई ? मतदान करे के तरीका के बारे में व्यापाक जनचेतना जगावल गइल । मनोनयन के काम विवाद रहित ढंगसे तोकल गइल समय पर ही सम्पन्न गइल । मतदाता लोग आंशिक रुप में शिक्षित आ सजग देखल गइल । कुछ मतदाता लोग विना छाप लगवले ही मतपत्र बक्सा में गिरईलन । सब मतदान पायक परेवाला स्थानपर राखल गइल । मतदाता संख्या के आधार पर ८-१६ कर्मचारी लोग के व्यवस्था करल गइल । अशक्त, अपाङ्ग के खातिर प्राथमिक देवल गइल । आचारसंहिता के उल्लंघन माओवादी से अधिक भइल । YCL आपन माथा पर लाल फेटा बान्ह के मतदान केन्द्र के बाहरभितर घुमइत देखल गइल । क्षेत्र नं. ३ के पोल पोखरी मतदान केन्द्र पर स्वयं सेवक लोग मतदाता के साथे गोप्य कोठरी में जाके मतपत्र में छाप लगवाल देखल गइल । शान्तिसुरक्षा के स्थिति चुसत दुरुस्त बनावे खातिर पश्चिमी नाका गड्डाचौकी पर चुनाव के एक महिना पहिले से ही नेपाली सेना खटावल गइल । एकदिन अगाडि भारत नेपाल सीमा के पुरा बन्द करल गइल । नेपाल पुलिस, म्यादी पुलिस प्रशस्त मात्रा में खटावल गइल । शान्ति सुरक्षा के स्थिति अच्छा भइला से कपनो राजनीतिक हिंसा ना होए सकल । मतगणना अवधि में कवनो विवाद ना भइल आ सम्पन्न भइल ।

४.३५ डडेल्धुरा

चुनाव के एगो ऐतिहासिक पबनी के रुप में देखल गइल । चेतना के स्तर उच्च देखल गइल । शान्तिपूर्ण भयरहित वातावरण में चुनाव सम्पन्न भइल । उम्मेंदवार के मनोनयन कानून के मोताविक ही शान्तिपूर्ण तरिका से सम्पन्न भइल । मतदाता लोग आंशिक रुप में सजग आ शिक्षित देखल गइल । विना छाप लगावल ही बक्सा में मतपत्र देखल गइल । मतदान केन्द्र सब के पायक परेवाला जगह पर राखल गइल । औरत आ पुरुष खातिर अलग अलग लाइन के व्यवस्था करल गइल । अशक्त अपाङ्ग के लाइन में नलगाके सिधे भोट देवेके व्यवस्था करल गइल । सशस्त्र पुलिस के घुम्ती सेवा मौजुद रहे । सब पक्ष से आचारसंहिता के आंशिक पालना करल गइल । सुरक्षा व्यवस्था कडा भइला से जिला में राजनीतिक हिंसा के घटना ना घटे सकल । निर्वाचन शान्तिपूर्ण तरिका से सम्पन्न भइल । मतगणना स्थल पर सब के प्रवेश रहल । समग्र में ई जिला में सोचल से जाँदा अच्छा ढंग से चुनाव सम्पन्न भइल ।

पर्यवेक्षित जिला सब में निर्वाचन वातावरण सरांश तालिका

क्र. सं.	जिला	संबिधानसभा के बारे में जनचेतना १	मतदाता के प्रतिबद्धता २	मतदान केन्द्र के वातावरण ३	आचारसंहिता के पालना ४	शान्तिसुरक्षा के स्थिति के सृजना ५	राजनीतिक हिंसा ६	निर्वाचन के स्वरुप ७
१	झापा	मध्यम	उच्च	आच्छा	उलंघन भईल	राजनितिक दलसब के समझदारी से कायम भईल	चुनावसे पहिले पार्टी सब के बीच भौतिक मुठभेड	मओवादी के प्रभाव हावी चुनाव
२	मोरङ	न्यून	सामान्य	सामान्य	उलंघन भईल	मतदाता में आन्तरिक भय के सृजना	राजनीतिक दल सब के ओरसे मानसिक हिंसा के प्रभाव	माओवादी के प्रभाव हावी चुनाव
३	सुनसरी	मध्यम	उच्च	उच्चस्तरीय व्यवस्थापन	उलंघन भईल	राजनीतिक दल के बीच भईल झडप से तनाव के स्थिति	चुनाव से पहिले दलसब के कार्यकर्ता के बीच में झडप भईला से आदमी के मृत्यू	मधेसी जनअधिकार फोरम के प्रभाव हावी चुनाव
४	धनकुटा	मध्यम	उच्च	उच्चस्तरीय व्यवस्थापन	उलंघन भईल	सुरक्ष बेश कैम्प आ चौकी के स्थापना कके स्थिति सहज बनावे के प्रयास	चुनावसे पहिले राजनीतिक दल के कार्यकर्ता के बीच झडप	माओवादी के प्रभाव हावी चुनाव
५	सङ्खुवासभा	न्यून	उच्च	कमजोर व्यव्स्थापन आ दुरी के सिकाएत	उलंघन भईल	सुरक्षकर्मी के परिचालन कके स्थिति सामान्य बनावे के प्रयास	माओवादी के कार्यकर्ताद्वारा एमाले के कार्यकर्ता के ज्यान मारे के धमकी	माओवादी के प्रभाव हावी चुनाव
६	सप्तरी	उच्च	उच्च	उचित व्यवस्थापन	आचारसंहिता के आंशिक पालन	माओबादीद्वारा बुथ कैपचर करे के खोजला से चुनाव स्थगित	सुरक्षकर्मीद्वारा राजनीतिक हिंसा के प्रभाव हिन बनावल गईल	माओवादी के प्रभाव हावी चुनाव

क्र. सं.	जिला	संबिधानसभा के बारे में जनचेतना १	मतदाता के प्रतिबद्धता २	मतदान केन्द्र के वातावरण ३	आचारसंहिता के पालना ४	शान्तिसुरक्षा के स्थिति के सृजना ५	राजनीतिक हिंसा ६	निर्वाचन के स्वरुप ७
७	सिराहा	जनचेतना मे मध्यम	उच्च	उच्चस्तरीय व्यवस्थापन	भितेलेखन, दोबारा मतदान, नाबालक मतदान	बुथ पर सुरक्षाकर्मी के तैनाथिसे मनोवैज्ञानिक रुप में सामान्य असर	दल के कार्यकर्ता बीच भईल झडप के कारणसे चुनाव स्थगित	मधेसवादी दल के प्रभाव हाबी चुनाव
८	धनुषा	उच्च	मध्यम	उच्चस्तरीय व्यवस्थापन	सवारी साधनके दुरुपयोग, प्रवेशद्वार निर्माण, भितेलेखन, दोबारा मतदान, नाबालक मतदान	सुरक्षाकर्मी के व्यापक तैनाथि से स्थिति सामान्य	सुरक्षाकर्मी के लौटला के बाद राजनीतिक हिंसा में बृद्धि	मधेसवादी दल के प्रभाव हाबी चुनाव
९	दोलखा	उच्च	उच्च	सामान्य	उलंघन भईल	राजनीतिक दल बीच के झडपसे तनाव के स्थिति	जिला के बहुत बुथपर एमाले माओबादी बीच झडप आ YCL द्वारा खुकुरी चलावे के प्रयास	माओवादी के प्रभाव हावी चुनाव
१०	चितवन	उच्च	उच्च	सामान्य	उलंघन भईल	शान्ति सुरक्षा बिगडलासे आम लोग में मानसिक तनाव	दलसब के बीच भइल आपसी द्धन्द आ झडप के चलते बहुत बुथ पर मतदान स्थगित	माओवादी के प्रभाव हावी चुनाव
११	मकवानपुर	मध्यम	उच्च	उच्चस्तरीय व्यवस्थापन	आंशिक पालन	शान्ति सुरक्षके स्थिति संतोषप्रद	राजनीतिक हिंसाके छिटपुट घटना	माओवादी के प्रभाव हावी चुनाव
१२	ललितपुर	उच्च	उच्च	उच्चस्तरीय व्यवस्थापन	पूर्णपालन नाभईल	बिकाश के कारण से शान्ति सुरक्ष के स्थिति सामान्य	राजनीतिक हिंसा के छिटपुट घटना	माओवादी के प्रभाव हावी चुनाव
१३	काभ्रे	उच्च	उच्च	उच्चस्तरीय व्यवस्थापन	उलंघन भईल	दल सब के प्रतिबद्धता से शान्ति कायम	राजनीतिक दल सब के बीच मुठभेड, माओबादीद्वारा एकतर्फी मतदान	माओवादी के प्रभाव हावी चुनाव

क्र. सं.	जिला	संबिधानसभा के बारे में जनचेतना १	मतदाता के प्रतिबद्धता २	मतदान केन्द्र के वातावरण ३	आचारसंहिता के पालना ४	शान्तिसुरक्षा के स्थिति के सृजना ५	राजनीतिक हिंसा ६	निर्वाचन के स्वरुप ७
१४	धादिङ	उच्च	उच्च	मतदान के वतावरण त्रासपूर्ण रहे	उलंघन भईल	राजनीतिक दल सब के बीच मे भिडन्त	हिंसायूक्त निर्वाचन	माओवादी के प्रभाव हावी चुनाव
१५	सिन्धुपालचोक	उच्च	उच्च (तुलनात्मक रुप में महिला बेसी)	त्रासपूर्ण वातावरण	उलंघन भईल	माओवादी के त्राससे शान्तिसुरक्षा कायम	हिंसायूक्त निर्वाचन	माओवादी के प्रभाव हावी चुनाव
१६	नुवाकोट	उच्च	उच्च	सामान्य असुरक्षा के स्थिति कायम	उलंघन भईल	त्रासपूर्ण वातावरण	राजनीतिक दल बीच भिडन्त के घटना, मतपेटिका बिगाईल	माओवादी के प्रभाव हावी चुनाव
१७	तनहूँ	उच्च	उच्च	सामान्य शान्तिपूर्ण	आंशिक पालन	जिमेवार दल सबके ओरसे मतदान करे खातिर मानसिक दबाव	निर्वाचन में आंसिक बाधा पुगईलापर सामान्य घायल	नेपाली काँग्रेस, एमाले आ माओबादी हावी चुनाव
१८	गोरखा	उच्च	उच्च	सामान्य शान्तिपूर्ण	उलंघन भईल	माओबादी के पक्ष में एक पक्षिय शान्ति सुरक्षा कायम	मतदाता में मानसीक त्रास	माओवादी के प्रभाव हावी चुनाव
१९	स्याङ्जा	उच्च	उच्च	सामान्य शान्तिपूर्ण	उलंघन भईल	राजनीतिक दलसब के बीच भईल समझदारी से शान्ति सुरक्ष के स्थिति कायम	मतदाता में मानसीक त्रास	नेपाली काँग्रेस, एमाले आ माओबादी हावी चुनाव
२०	कास्की	उच्च	उच्च	सामान्य शान्तिपूर्ण	आंशिक पालन	मानसिक त्रास के कारण शान्तिसुरक्षा कायम	राजनीतिक हिंसा बतावल ना गईल	नेपाली काँग्रेस, एमाले आ माओबादी हावी चुनाव
२१	नवलपरासी	उच्च	उच्च	उच्चस्तरीय व्यवस्थापन	उलंघन भईल	सुरक्षाकर्मी के सांकेतिक उपस्थिति कायम	चुनाव के दिन कवनो खास घटना ना घटल	मधेसबादी दल के प्रभाव हाबी चुनाव

क्र. सं.	जिला	संबिधानसभा के बारे में जनचेतना १	मतदाता के प्रतिबद्धता २	मतदान केन्द्र के वातावरण ३	आचारसंहिता के पालना ४	शान्तिसुरक्षा के स्थिति के सृजना ५	राजनीतिक हिंसा ६	निर्वाचन के स्वरुप ७
२२	रुपन्देही	मध्यम	मध्यम	सामान्य शान्तिपूर्ण	उलंघन भईल	खराब	राजनीतिक दल सब के बीच मुठभेड	सशस्त्र समुह के प्रभाव हाबी चुनाव
२३	पाल्पा	उच्च	उच्च	उच्चस्तरीय व्यवस्थापन	आंशिक पालन	उमेदवार के उपर मनो वैज्ञानिक दबाव	राजनीतिक दल सब के बीच मुठभेड	नेपाली काँग्रेस, एमाले आ माओबादी हाबी चुनाव
२४	अर्घाखाँची	मध्यम	मध्यम	सामान्य	उलंघन भईल	दलिय समझदारी के कारण शान्तिसुरक्षा सामान्य कायम	राजनीतिक दल सब के बीच मुठभेड	माओबादी आ काँग्रेस प्रभाव हाबी चुनाव
२५	बाग्लुङ	उच्च	उच्च	माओबादी कार्यकर्ता के उपस्थिति त्रासपूर्ण	उलंघन भईल	खराब	राजनीतिक कार्यकर्ता बीच हातपात भईल	राष्ट्रिय जनमोर्चा आ माओ बादी प्रभाव हाबी चुनाव
२६	दाङ	उच्च	उच्च	त्रासपूर्ण	उलंघन भईल	शान्ति सुरक्षा ना भईल	दलिय झडप में सात आदमी के मृत्यु	माओबादी आ काँग्रेस प्रभाव हाबी चुनाव
२७	बाँके	मध्यम	मध्यम	सामान्य	आंशिक पालन	मतदाता में सुरक्षा के अनुभुति के अभाव	दलिय झडप में मृत्यु	माओबादी आ काँग्रेस प्रभाव हाबी चुनाव
२८	सुर्खेत	उच्च	उच्च	सामान्य	उलंघन भईल	मतदाता में सुरक्षा के अनुभुति के अभाव	दलिय झडप में मृत्यु	माओबादी आ काँग्रेस प्रभाव हाबी चुनाव
२९	जुम्ला	न्यून	न्यून	सामान्य	उलंघन भईल	सुरक्षाकर्मी माओबादी के अगाडी मुखदर्शक	दलिय झडप में मृत्यु	माओबादी आ काँग्रेस प्रभाव हाबी चुनाव
३०	मुगु	न्यून		सामान्य	उलंघन भईल	माओबादी बाहेक के दल के गाँव न जाएसके के स्थिति	मतदानके दिन सामान्य अवस्था	माओबादी आ काँग्रेस प्रभाव हाबी चुनाव
३१	कैलाली	मध्यम	मध्यम	मध्यम	उलंघन भईल	सर्वदलिय निर्णयके कारण स्थिति संतोष जनक	मतदानके दिन सामान्य अवस्था	माओबादी आ काँग्रेस प्रभाव हाबी चुनाव

क्र. सं.	जिला	संबिधानसभा के बारे में जनचेतना १	मतदाता के प्रतिबद्धता २	मतदान केन्द्र के वातावरण ३	आचारसंहिता के पालना ४	शान्तिसुरक्षा के स्थिति के सृजना ५	राजनीतिक हिंसा ६	निर्वाचन के स्वरुप ७
३२	बझाङ	न्यून	न्यून	सामान्य	उलंघन भईल	मतदान कईला से गणतन्त्र, शान्ति आ जनअधिकार के स्थापना होई कहके शान्ति सुरक्षा कायम	मतदान के दिन सामान्य अवस्था	माओबादी आ काँग्रेस प्रभाव हाबी चुनाव
३३	कंचनपुर	उच्च	उच्च	उचित सामान्य	उलंघन भईल	सिमापर सेना के तैनाथि से शान्ति कायम	मतदान के दिन सामान्य अवस्था	माओबादी आ काँग्रेस प्रभाव हाबी चुनाव
३४	डडेलधुरा	न्यून	न्यून	सामान्य व्यवस्थित	आंशिक पालन	मतदाता में शान्तिसुरक्षा के आंसिक अनुभुति	मतदान के दिन सामान्य अवस्था	माओबादी आ काँग्रेस प्रभाव हाबी चुनाव
३५	उदयपुर	उच्च	उच्च	सामान्य	उलंघन भईल	संतोसजनक	सामान्य झडप, अशोक राई के अपहरण समेत भईल	माओबादी आ काँग्रेस प्रभाव हाबी चुनाव

तराई में मधेसबादी दल सब के चुनाव में प्रभाव देखल गईल । माओवादी प्रभाव रहल जिला सब में माओबादी के प्रभाव देखल गईल आ दोसर दल के प्रतिनिधि, पर्यवेक्षक सुरक्षाकर्मी आ उमेदवार प्रभाविलो दल के सामने नतमस्तक आ प्रभावहिन देखल गईल । ने.क.पा. माओबादी इ काम मे सबसे आगाडी देखल गईल । संबिधानसभा के एजेन्डा माओबादी १२ बरषतक सशस्त्र संघर्ष कके स्थापित कईलक, देशभर के मतदाता सब के परिचालन कके अपन अनुकूल के निर्वाचन विधि, राजनीतिक, संबैधानिक आ कानुनी रुप में स्थापित करे में सफल भईल आ मतदाता सब में सबदिन खातिर शान्तिसुरक्षा के जरुरी आ माओबादीए से देश परिवर्तन के आशा सब जनता में भईला के कारण ७३ ५ जिला सब के चुनाव में माओबादी प्रभाव हाबी देखल गईल । ■

निष्कर्ष आ सुझाव

दु/दु बेरिया चुनाव के म्याद टरसकल संविधानसभा के चुनाव कुछ अपवाद के घटना बाहेक शान्तिपूर्ण रुपसे ही सम्पन्न भइल । एकरा खातिर नेपाल सरकार, पार्टी सब, स्वतन्त्र उम्मेंदवार, कार्यकर्ता लोग, भोट में खटल कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी, पर्यवेक्षक, पत्रकार, आ विशेष कके मतदाता के सहिष्णुता, कार्यकुशलता, लगनशीलता, तत्परता के ही सफल निर्वाचन के मूल कारण मानल जासकेला । मतदान केन्द्र थप कइलासे भी आउरो सहजग से आ तुरन्त मतदान सम्पन्न भइल । ऐकरा के एगो सबल पक्ष के रुप में देखल जा सकेला । मतदाता के अनुपात में सुरक्षाकर्मी संख्यात्मक रुपसे कम देखल गइल । नेकपा माओवादी के बदमासी के चलते दोसरा पार्टी के उम्मेंदवार विना प्रतिवाद चुपचाप बइठदल देख के मतदान में खटल कर्मचारी लोग आ मतदाता लोग निर्वाचन कानूनद्वारा प्रदान करल गइल अधिकार के प्रयोग करे के सहज वातावरण ना बन सकल । कुछ मतपत्र में मतदान अधिकृत के सही न होनाई, विगत के चुवाव में जइसन मतपत्र के बदर होनाई, एगो मतपत्र में २/३ गो उम्मेंदवार के चिन्ह मे छाप लगनाई जनचेतना के अभाव कहके प्रमाणित हो रहल बा । सप्तरी जिला के एगोमतदान केन्द्रपर एको गो मतदाता, उम्मेंदवार चाहे पार्टी 'प्रतिनिधि ना आइलासे चुनाव भयपूर्ण वातावरण में सम्पन्न भइल कहके सहजे अनुमान लगावल जासकेला । गैर मतदाता, एक आदमी दोसर आदमी के नाम से भोट गिरावेवाला प्रवृत्ति नगण्य रुप में देखल गइल । बाकिर ओ में प्रतिद्वन्दी उम्मेंदवार के तरफ से कवनो विरोध ना देखल गइल । गोरखा जिला जइसन कुछ पहाडी जिला सब में मतदान भइल प्रतिशत के प्रवृत्ति विश्लेषण कके यथार्थ निक्यौल निर्वाचन आयोग से ना निकाल सकल आयोग के दूर्वल पक्ष देखल जा सकले । भविष्य में होखेवाला चुनाव सब में ऐइसन दूर्वल पक्ष के निर्मूल होनाई जरुरी बा ।

५.१ निष्कर्ष

देखल जाए त हरेक क्षेत्र के मतदाता लोग कुछ संख्या में देशसे बाहर बा बाकिर मतदाता सूची में नाम ना भइल, निर्वाचन के दिन अनुपस्थित मतदाता लोग के नाम पर भी फर्जी मत गिरावल गइल । उम्मेंदवार सबद्वारा पेश करल गइल खर्च के विवरण आ निर्वाचन क्षेत्र में करल गइल खर्च के देखल जाए त सहजे विश्वास करे के अवस्था नइखे देखल गइल । ऐइसन खर्च सब के सम्बन्धित निर्वाचन क्षेत्र में ही सार्वजनिक रुप से सामाजिक लेखा परीक्षण के यदि व्यवस्था करल जाए त आचारसंहिता पुरा से पुरा पालना आ निष्ठा के राजनीति के प्रोत्साहन मिलइत कहके कहल जासकेला । भौगोलिक विकटता, संचार, यातायात के असुविधा, मौसम के प्रतिकूलता, कुछ मतदाता लोग में चेतना के न्यून स्तर होला के वाद भी राजनीतिक दल आ उम्मेंदवार लोग से आचारसंहिता विपरित काम करल देखल गइल । निर्वाचन के दिन मतदान प्रक्रिया बाहर से देखला पर शान्त जरुर

देखल गइल बाकिर भित्री रुप में अधिकांश जिला सब में माओवादी या क्षेत्रीय पार्टी के प्रभाव के तहत चुनाव सम्पन्न भइल । लोभ, लालच, डर, त्रास, धम्की निर्वाचन के परिणाम पर केतना असर परल ऐकर विश्लेषण होनाई जरुरी देखल गइल बा ।

५.२ सुझाव

निर्वाचन के निष्पक्षता के मध्यनजर कके देखल जाए त मतदान केन्द्र के भितर के स्थिति शान्त देखला के बाद भी मतदान केन्द्र से बाहर के स्थिति, वातावरण स्वतन्त्र, निष्पक्ष आ भयरहित ना देखल गइला से राजनीतिक दल सब आपन आपन प्रभुत्व, हैकम के अन्त करइत अन्तर्राष्ट्रिय मापदण्ड के मोताविक स्वतन्त्र, निष्पक्ष आ भयरहित वातावरण में चुनाव होनाई आवश्यक देखल गइल बा । ऐकरा आलावा सरोकारवाला लोग में भी कुछ सुझाव प्रस्ताव राखल गइल बा ।

५.२.१ राजनीतिक दल, उम्मेंदवार

- राजनीतिक दल आ उम्मेंदवार के जादा संयमी होएके चाही । दोसर दल आ उम्मेंदवार के विचार, नीति आ कार्यक्रमसे असहमत भइला के बाद भी आपन प्रभुत्व भइल जगह पर आउरो दल चाहे उम्मेंदवार सबके पहुँच के मतदाता तक सुरक्षित करेके चाही । दोसरे दल चाहे उम्मेंदवार के उम्मेंदवारी सहज रुप में स्वीकार करेके संस्कार के विकास करेके चाहीं ।
- मतदाता सब के स्वतन्त्रता, स्वविवेक के सम्मान करईत भयमुक्त वातावरण के श्रृजना करे के आ निर्वाचन आचारसंहिता के अक्षरशः पालना करेके प्रवृत्ति के विकास कर के ।
- संविधानसभा के चुनाव के निष्पक्षता, स्वतन्त्रता आ निर्भयता ना होए में ३९.७२% जिम्मेंवार राजनीतिक दल के ओर से करल गइल आचारसंहित के उल्लंघन ही देखलगइल आ जवन राजनीतिक दल सबभी स्वीकार करचुकल बा ऐइसन बात सब पर भी ध्यान देनाई जरुरी देखल गइल बा ।
- संविधानसभा के चुनाव में निर्वाचन अधिकृत अ राजनीतिक पार्टी सब के पहल में सर्वदलीय बइठक बइठके चुनाव प्रक्रिया के सहज बनावे के जवन काम भइल ओकरा के निरन्तरता देवल जरुरी देखल गइल बा ।
- मतदान के क्रम में औंठा से छाप लगावे के, एगो से अधिक चुनाव चिन्ह में छाप लगावे के, मतपत्र पट्याइला पर मसी लेभराए के, उमेंर ना पुगल नाबालक से मतदान करल गईल, मतदाता सूची में नाम ना भईल आदमी से मतदान, मरल आदमी के नाम पर मतदान, विदेश में रहल आदमी के नाम पर मतदान जइसन आचारसंहिता विपरीत काम के प्रति राजनीतिक पार्टी सब के विशेष होशियार रहेके चाही ।
- मतदान आ मतगणना के क्रम में राजनीतिक दलके प्रतिनिध सब के विशेष सक्रियता अपनावेके चाही ।

५.२.२ **निर्वाचन आयोग**

- सरकारी स्कूल के शिक्षक, गैर सरकारी संस्था के प्रतिनिधि आ कर्मचारी के चुनाव में ना खटावे के चाही ।
- सरकारी विश्वविद्यालय के स्थायी उपप्राध्यापक के निर्वाचन में खटावल उपयुक्त दे खलगइल बा ।
- निर्वाचन के सब चरण में आचारसंहिता के उल्लंघन करेबाला उम्मेंदवार आ सम्बद्ध पक्ष के उपर प्रचलित कानून के अनुसार कारवाही करेके चाही ।
- ऐसे अगाडि के चुनाव सब में परिचय पत्र लागू कइला से बहुत प्रतिशत प्रोक्सी भोट घटल देखल गइल बाकिर ई चुनाव में परिचय पत्र लागू ना कइला से जइसन भी आदमी भोट गिरईलक आ राजनीतिक दल के प्रतिनिधि सबद्वारा आपन आपन मतदाता भेजे खातिर होडबाजी ही कइलक ।
- ऐ बेरिया मतदान केन्द्र के व्यवसथापन में सुधार जरुर देखल गइल बाकिर मतदाता के सुविधा के मोताविक अभी भी बहुत जगे अपायक देखल गइल आ एकेगो केन्द्रपर बहुत उपकेन्द्र बनावल गइल जवना पर ध्यान देवल जरुरी देखल गइल बा
- विद्युतीय मतदान मेंशिन बहुत प्रभावशाली देखल गइल, भविष्य में भी ऐकर प्रयोग में बृद्धि करके चाहीँ ।
- अभी भी बहुत जगह मतदान केन्द्र अपायक जगह पर देखल गइल, भविष्य में ई क्षेत्र में ध्यान देवेके चाहीँ ।
- निर्वाचन में उम्मेंदवार सबद्वारा करल गइल खर्च के विवरण स्थानीय स्तर पर ही सार्वजनिक लेखापरीक्षण होए के चाही ।
- राष्ट्रिय आ जिला पर्यवेक्षक के योग्यता कम्ति में स्नातक होएके चाहीँ ।
- निर्वाचन आयोगद्वारा राष्ट्रिय आ अन्तर्राष्ट्रिय पर्यवेक्षक सब के पर्यवेक्षण करेके अनुमति देके बहुत उदारता देखइलक । राष्ट्रिय पर्यवेक्षक के रुप में करिब १५० संस्था सब के पर्यवेक्षण करे खातिर अनुमति देवल गइल, जवना में कवनो किसिम के मापदण्ड ना अपनावल गइल जेकरा कारण निर्वाचन के दिन व्यवस्थापन करे में असहजता देखल गइल आ आचारसंहिता के भी पालना कइल ना देखल गइल । भविष्य में होए वाला निर्वाचन सब में सक्रिय आ स्वतन्त्र भूमिका निर्वाह कइल संजाल सब से सरसल्लाह कके निर्धारण करल गइल मापदण्ड के आधार पर पर्यवेक्षण करेके अनुमति देवेकै व्यवस्था करेके चाही ।

५.२.३ राज्य

- शान्ति सुरक्षा के स्थापना मातर पुलिस आ सुरक्षा निकाय के परिचालन से ना होसकले ओकरा खातिर राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक आ नैतिक बात के साथेसाथ सुरक्षा के बृहत अवधारणा के दृष्टिकोण से देखेके चाहीं । "विकास ही सुरक्षा के प्रत्याभूति ह" ई कहनाम के दृष्टिकोण से सुरक्षा के स्थापित करेके चाहीं ।
- भविष्य मे होखेवाला चुनाव सब में सुरक्षा निकाय के व्यक्तिसब के क्षमता के अभिबृद्धि करेके चाहीं ।
- सर्वकालीन सुरक्षा ही निर्वाचन सुरक्षा के पूर्वाधार भइला से सरकार आ निर्वाचन आयोग के पहल अनिवार्य देखल गइल बा । सुरक्षा निकाय के कवनो भी पार्टी आ उम्मेंदवार के विशेष प्रभाव में ना परेके चाहीं ना रहेके चाहीं ।
- भू.पु. पुलिस आ सैनिक लोग केही म्यादी पुलिस के रुप में प्रयोग करेके चाहीं ।
- मतदाता नामावली अद्यावधिक करइत आ विशेष कके नया नामावली थप करइत उमेंर खुलवइत तीन पुस्ते लिखित प्रमाण देखके ही संकलन करे के चाहीं ।
- चुनाव सम्पन्न भइला के बाद, सुरक्षा निकाय के ना पहुचलाके बाद बहुत जगह पर सुरक्षा ना देला के कारण से ही दोबारा मतदान करावे के नौबत आजाला, ओही से राज्य के ई बात पर विशेष ध्यान देवेके चाहीं ।
- देखल जाए त पर्यवेक्षक, कर्मचारी, निर्वाचन अधिकृत आपन मताधिकार के प्रयोग करे से बंचित होजाला, ओ लोग के भी मतदान प्रयोग के व्यवस्था करे के चाहीं ।

५.२.४ नागरिक समाज

स्वतन्त्र, निष्पष आ भयरहित वातावरण में चुनाव करावे खातिर राज्य, राजनीतिक दल, उम्मेंदवार आ निर्वाचन से सम्बन्धित निकाय सबके समय पर ही चुनाव करावे खातिर नागरिक समाज के तकिता करत रहेके चाही । नागरिक समाज कवनो पार्टी के भातृ संगठन जइसन ना होखेला । नागरिक समाज के कवनो ऐइसन काम ना करेके चाहिँ जवना से कवनो पार्टी के सहयोग मिले ।

५.२.५ संचारजगत

- तथ्यपरक सम्प्रेसित समाचार से लक्षित वर्ग जइसे मधेशी, आदिवासी, जनजाति, दुर्गम आ दलित लोग भयमुक्त होसके । डर त्रास आ अनेक आशा में जिरहल मतदाता लोग के समस्या उजागर करे खातिर प्रयत्नशील होएके चाहीं । संसार के समग्र सामाजिक विकास के प्रक्रिया के रुप में देखे के चाहीं ।
- समाज के प्रत्येक पक्ष आ नागरिक में रहल व्याप्त अदृश्य त्रास के निराकरण के खातिर हरदम प्रयासरत रहेके चाहीं ।

५.२.६ पर्यवेक्षक संस्था आ पर्यवेक्षक

करिब ६० हजार पर्यवेक्षक के सब मतदान केन्द्र, उपकेन्द्र में निर्वाचन के समय पर्यवेक्षण करे के अवसर देवल गइल जवना में विशेष दक्ष जनशक्ति से लेके सामान्य लेखपढ करेवाला के साथेसाथ प्राध्यापक, पूर्व सचिव, राजदूत लोग के भी सहभागिता देखल गइल बाकिर पर्यवेक्षक सबद्वारा पालना करल जाएवाला न्यूनतम आचारसंहिता के भी पालना ना करल गइल अनेक उदाहरण सब हमनी के सामुने बा। ऐकरा खातिर शैक्षिक योग्यता के अभाव, आयोगद्वारा तोकल गइल उमेंर आ अनुभव के अभाव आ खुद निर्वाचन आयोग ही आचारसंहिता पालना करावे खातिर कबहु सक्रिय ना देखल गइल आ सफल सक्रियता के वाद भी सफलता ना मिलल। भविष्य में पर्यवेक्षक लोग के विषय में निचा बतावल गइल विषय में ध्यान देनाइ उचित देखल गइल बा।

- राष्ट्रिय आ जिला स्तर के पर्यवेक्षक के उमेंर २५ बरष शैक्षिक योग्यता कमसे कम स्नातक होएके चाही।
- स्थानीय तह के पर्यवेक्षक के उमेंर २० बरष आ शैक्षिक योग्यता एस.एल.सी. होएके चाहीँ।
- पेशागत संघसंस्था के आ राजनीतिक दल के कार्यकर्ता के पर्यवेक्षण करे खातिर निषेध करे के चाहीँ।
- पर्यवेक्षण करेवाला संस्था आ संजाल के मापदण्ड तोकेके चाहीँ। ■

आमनिर्वाचन पर्यवेक्षण समिति, नेपाल

केन्द्रीय सचिवालय

श्री विकास घिमिरे
कार्यक्रम संयोजक

श्री सुजन लोप्चन
कार्यक्रम अधिकृत

श्री सुभाष पौडेल
कार्यक्रम अधिकृत

श्री गणेशमान प्रधान
लेखा अधिकृत

श्री भवानी कायस्थ
कम्प्यूटर अपरेटर

आम निर्वाचन पर्यवेक्षण समिति, नेपाल
GENERAL ELECTION OBSERVATION COMMITTEE, NEPAL (GEOC)

सचिवालय
नेपाल कानून समाज
पोस्ट बक्स नं. १३२११ अनामनगर, काठमाडौं
टेलिफोन: ४२६६७३५, फ्याक्स: ४२२८४९७
इमेल: geoc@mos.com.np
इमेल: nls@wlink.com.np